सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 98 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 20 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

थाना बन गया शादी घरः दो प्रेमी जोड़ों ने रचाई अनोखी शादी

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के पत्थलगांव थाना परिसर में सोमवार की रात करीब 8 बजे एक अनोखा और भावुक दृश्य देखने को मिला। यहां चार प्रेमियों ने थाना परिसर स्थित शिव मंदिर में भगवान को साक्षी मानकर सात फेरे लेकर शादी कर ली। मिली जानकारी के मुताबिक, अलग-अलग जाति से होने के कारण परिजनों की नाराजगी झेल रहे इन जोड़ों ने समाज की बाधाओं को पीछे छोड़ते हुए अपने प्यार को विवाह के बंधन में बांध लिया। इस दौरान एक प्रेमी युगल को तो शादी से पहले परिजनों के विरोध और झूमा-झटकी का भी सामना करना पड़ा। लेकिन इसके बावजूद उन्होंने एक-दूसरे का हाथ थामने का फैसला किया। वहीं दूसरे प्रेमी युगल ने बताया कि, वे करीब एक वर्ष से प्रेम संबंध में थे और बालिग होने के चलते उन्होंने थाना पत्थलगांव में आवेदन देकर सुरक्षा और विवाह की अनुमति मांगी थी। शादी के दौरान पुलिसकर्मी भी साक्षी बने और थाना परिसर में मौजूद लोगों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया।

स्थानीय नागरिकों को टोल से छूट दिए जाने की मांग

कोण्डागांव। भारतीय जनता पार्टी की जिला इकाई ने सोमवार को कलेक्टर से मिलकर मसोरा टोल प्लाजा में कोंडागांव के स्थानीय वाहनों को छूट देने की मांग की गई है। सौपे गये ज्ञापन में लेख है कि, जिले में स्थित मसोरा टोल प्लाजा के आसपास के ग्रामीण/ नगरीय सभी स्थानीय नागरिकों को आवागमन के लिये शुल्क लिया जा रहा है। स्थानीय आम जनता के रोजमर्रा के कार्य जैसे रोजगार, नौकरी ,शिक्षा चिकित्सा, व्यापार आदि के लिए आवागमन करना पड़ता है। जिसमें स्थानीय जनता को अनावश्यक आर्थिक बोझ सहना पड़ रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा अधिनियम 2008 के तहत एवं समय-समय पर किए गए संशोधनों के अंतर्गत स्थानीय वाहनों को सुविधा प्रदान किए जाने का प्रावधान है।

निःशुल्क इलाज से हृदय रोग पीड़ित बच्ची हुई पूर्ण स्वस्थ, फॉलोअप करने हेतु खुद घर जा पहुंचे सीएमएचओ

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। हृदय रोग के चलते आल्या न खेल पाती थी, न जोर से रो पाती थी। सोने के लिए भी उसे काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। बात-बात पर सांस फूल जाती थी। इलाज के बाद अब वह पूरी तरह ठीक है। गरीब परिवार की आल्या का इलाज पूरी तरह से निःशुल्क हुआ। यहां तक कि फॉलोअप करने के लिए जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी स्वयं उसके घर जा पहुंचे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कपिल देव पैकरा एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) द्वारा विगत दिवस विकासखंड प्रेमनगर के ग्राम नवापारा कला में हृदय रोग से पीड़ित बच्ची आल्या, पिता धन साय के निवास पर फॉलोअप विजिट किया गया। उल्लेखनीय है कि बच्ची का सफल निःशुल्क ऑपरेशन आरबीएसके (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) के माध्यम से श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल, रायपुर में कराया गया था।

फॉलोअप विजिट के दौरान स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा बच्ची का आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा परिजनों से बच्ची के वर्तमान स्वास्थ्य की जानकारी ली गई। जांच में बच्ची पूर्णतः स्वस्थ पाई गई। उपचार से संतुष्ट परिजनों ने जिला प्रशासन सूरजपुर एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार जिले के हृदय रोग से पीड़ित बच्चों को श्री सत्य साईं संजीवनी हॉस्पिटल, रायपुर के सहयोग से निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल से जिले के जरूरतमंद बच्चों को समय पर उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधा मिल रही है, जिससे उनके जीवन को नई दिशा मिल रही है।

श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल, नया रायपुर, छत्तीसगढ़ एक ऐसा अस्पताल है, जहाँ हृदय रोग के साथ जन्म लेने वाले बच्चों का इलाज मुफ्त में किया जाता है। यहाँ देश-विदेश से लोग अपने बच्चों के इलाज के लिए आते है। इस अस्पताल का आकर भी इसीलिए हृदयनुमा है।

भाजपा को मिला नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

नितिन नबीन को सौंपी कमान

एजेंसियां

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल गया है। नितिन नबीन को भाजपा का 12वां राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। मंगलवार को भाजपा मुख्यालय में उनके नाम का आधिकारिक ऐलान किया गया। 45 वर्षीय नितिन नबीन भाजपा के अब तक के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मंच पर मौजूद रहे और उन्हें बधाई दी।

पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल का अध्यक्ष चुने जाने पर नितिन नबीन को हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने बताया कि संगठन पर्व की पूरी प्रक्रिया भाजपा के संविधान के अनुसार लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुई है। पीएम ने देशभर के कार्यकर्ताओं को इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए अभिनंदन किया।

प्रधानमंत्री ने भाजपा के पूर्व अध्यक्षों के योगदान को याद करते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में पार्टी ने शून्य से शिखर तक का सफर तय किया। राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अमित शाह और जेपी नड्डा के नेतृत्व में भाजपा लगातार मजबूत हुई और केंद्र में तीसरी बार सरकार बनी। मोदी ने कहा कि वे स्वयं को पहले भाजपा का कार्यकर्ता मानते हैं और अब नितिन पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के अध्यक्ष हैं। अगले 25 साल विकसित भारत के लिए निर्णायक होंगे और नितिन युवा जोश व संगठनात्मक अनुभव के साथ भाजपा की विरासत को आगे बढ़ाएंगे।

12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नितिन नबीन

1. अटल बिहारी वाजपेयी
2. लालकृष्ण आडवाणी (3 बार)
3. मुरली मनोहर जोशी
4. कुशाभाऊ ठाकरे
5. बंगारू लक्ष्मण
6. के. जन कृष्णमूर्ति
7. एम. वेंकैया नायडू
8. राजनाथ सिंह
9. नितिन गडकरी
10. अमित शाह (दो बार)
11. जगत प्रकाश नड्डा
12. **नितिन नवीन**

पालिका-पंचायत चुनाव के लिए बजा बिगुल, प्रशासन ने तेज की तैयारियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरपालिका और त्रिस्तरीय पंचायतों के आम एवं उप निर्वाचन 2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह की अध्यक्षता में नवा रायपुर स्थित राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें निर्वाचन से जुड़ी सभी तैयारियों और समयबद्ध कार्यवाही पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में राज्य निर्वाचन आयुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्थानीय निकायों के आम और उप निर्वाचन से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुचारु रूप से संपन्न कराया जा सके।

पंचायत स्तर पर 1043 पदों पर चुनाव शेष

त्रिस्तरीय पंचायतों की स्थिति पर चर्चा करते हुए बताया गया कि जनपद पंचायत सदस्य के 05 पद, सरपंच के 73 पद और पंच के 965 पद रिक्त हैं। इस तरह पंचायत स्तर पर कुल 1043 पदों पर आम/उप निर्वाचन कराया जाना बाकी है।

नगरपालिकाओं में कई पद खाली, उपचुनाव जरूरी

बैठक में जानकारी दी गई कि वर्तमान में नगरीय निकाय उप निर्वाचन के अंतर्गत नगरपालिका अध्यक्ष के 02 पद और पार्षदों के 15 पद रिक्त हैं। इसके अलावा राज्य में नवगठित चार नगर पंचायतों—घुमका (राजनांदगांव), बम्हनीडीह (जांजगीर-चांपा), शिवनंदनपुर (सूरजपुर) और पलारी (बालोद) में अध्यक्ष के 04 पद और पार्षदों के कुल 60 पद रिक्त हैं, जिन पर निर्वाचन कराना आवश्यक है।

रायपुर बनेगी सोलर सिटीः 2370 किलोवाट की बनी योजना

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। प्रदेश में भी सोलर से बिजली का उत्पादन करने का काम अब तेजी से करने की तैयारी चल रही है। क्रेडा कई योजनाओं पर काम कर रहा है। नया रायपुर को सोलर सिटी भी बनाने की तैयारी है।

इसके लिए क्रेडा ने अब 18 विभागों के लिए 2370 किलोवाट की योजना तैयार की है। इस योजना को प्रदेश सरकार से मंजूरी के बाद इस पर काम प्रारंभ होगा। पहले 10 मेगावाट बिजली के उत्पादन का 65 करोड़ का प्रस्ताव प्रदेश सरकार के पास भेजा था, लेकिन इसको नामंजूर करके क्रेडा को हर विभाग के लिए अलग-अलग योजना बनाकर देने के लिए कहा गया है।अब क्रेडा ने हर विभाग के लिए अलग-अलग योजना तैयार करके प्रस्ताव भेजा है।

देश में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को देखते हुए अब केंद्र सरकार ने सोलर बिजली की तरफ रुख किया है। इसके लिए देश के कई राज्यों में भी काम हो रहा है। जहां एक तरफ केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना पर काम चल रहा है, वहीं राज्यों में बड़े-बड़े सरकारी और निजी सोलर प्लांट भी लगाने का काम हो रहा है। आवासीय कॉलोनियों के लिए भी रेस्को मॉडल में काम हो रहा है।

क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी ने बताया कि, नया रायपुर को सोलर सिटी बनाने लिए अलग-अलग विभागों की योजना बनाकर प्रदेश सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है, वहां से मंजूरी के बाद काम प्रारंभ होगा।

'मेंटर और ब्लूप्रिंट' फार्मूला में उलझे शिक्षक, गुणवत्ता सुधारने बदला रिपोर्ट कार्ड का गणित

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के स्कूली शिक्षा की तस्वीर बदलने और आगामी शैक्षणिक सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणामों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए शिक्षा विभाग ने एक व्यापक और महत्वाकांक्षी कार्ययोजना तैयार की है। इसके तहत पढ़ाने के तरीके में परिवर्तन करने के साथ ही छात्रों के रिजल्ट तैयार करने के गणित में भी बड़ा और अहम बदलाव किया गया है।

राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर हरिस एस और सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन के मार्गदर्शन में जिले के सभी प्राचार्यों को निर्देशित किया गया। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन मूल्यांकन प्रणाली में किया गया है। अब छात्रों के रिपोर्ट कार्ड में साल भर की मेहनत दिखेगी।

जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने बताया कि कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत के सतत मार्गदर्शन के अनुरूप जिले में हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षाओं के लिए कार्य योजना तैयार की गई है। मिशन डिस्टिंक्शन के तहत कड़े लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। जिसके तहत अर्द्धवार्षिक परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक प्राप्तांक हासिल करने वाले प्रत्येक छात्र-छात्रा के लिए एक मेंटर की नियुक्ति कर प्रत्येक सप्ताह समीक्षा करने सहित संबंधित छात्र-छात्रा को समुचित अध्यापन करवाने के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान मेंटर द्वारा संबंधित छात्र-छात्रा की लिखावट, भाषा शैली एवं अन्य कमियों को दूर करने सकारात्मक प्रयास किया जाएगा। इसी तरह अन्य विषयों के परीक्षार्थियों की दिक्कतों को भी फोकस कर समाधान करने पहल किया जाएगा।

पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद बीते 05 वर्षों के प्रश्न पत्रों का हल करने का अभ्यास भी इन परीक्षार्थियों को करवाया जाएगा। जिससे जिले के अधिकाधिक परीक्षार्थी मेरिट सूची में अपना स्थान हासिल कर सके। इसके अलावा यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कम से कम 5 प्रतिशत परीक्षार्थी 80 फीसदी से अधिक अंक लाएं और तृतीय श्रेणी या पूरक आने वाले परीक्षार्थियों की संख्या न्यूनतम से न्यूनतम हो। इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए पाठ्यक्रम पूरा करने की समय-सीमा भी तय कर दी गई है।

मूल्यांकन का नया गणित

कक्षा पहली से चौथी और छठवीं-सातवीं के वार्षिक नतीजों में अब तिमाही और छमाही परीक्षाओं के 20-20 प्रतिशत अंक अधिभार के रूप में जुड़ेंगे, जबकि वार्षिक परीक्षा का भार 60 प्रतिशत रहेगा। वहीं कक्षा 5 वीं और 8 वीं की बोर्ड कक्षाओं के साथ-साथ 9 वीं और 11 वीं के वार्षिक परिणामों में छमाही परीक्षा के 30 प्रतिशत और वार्षिक परीक्षा के 70 प्रतिशत अंकों को जोड़कर अंतिम परिणाम तैयार किया जाएगा।

- हाई और हायर सेकंडरी स्कूलों में भी होगा मेंटर-मेंटी सिस्टम
- प्रतिभाशाली बच्चों पर रखी जाएगी सतत निगाह
- पाठ्यक्रम पूरा करने की समय-सीमा भी तय

9 हार्डकोर माओवादियों ने हथियारों सहित किया आत्मसमर्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

गरियाबंद। गरियाबंद जिले में नक्सल विरोधी अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) की सीनापाली और एसडीके एरिया कमेटी से जुड़े कुल 9 हार्डकोर माओवादियों ने अपने धारित हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वाले इन माओवादियों पर कुल 45 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

आत्मसमर्पण करने वालों में 8-8 लाख के इनामी अंजू उर्फ कविता, बलदेव उर्फ वामनवट्टी, डमरू उर्फ महादेव और सोनी उर्फ बुदरी शामिल हैं। वहीं रंजीत उर्फ गोविंद और पार्वती उर्फ सुक्की कारम पर 5-5 लाख रुपये का इनाम था। इसके अलावा रतना, नवीता और सरूपा पर 1-1 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इन माओवादियों के पास कुल 6 ऑटोमेटिक हथियार, जिनमें एके-47, एसएलआर और 303 राइफल शामिल हैं, बरामद की गई हैं।

पुलिस के अनुसार, शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति, लगातार चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियानों, जंगलों में बढ़ती कठिनाइयों और संगठन की कमजोर होती विचारधारा से प्रभावित होकर इन माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ने का फैसला किया। आत्मसमर्पित माओवादियों ने बताया कि पुनर्वास नीति के तहत मिलने वाली आवास, रोजगार, स्वास्थ्य और आर्थिक सहायता की जानकारी उन्हें आत्मसमर्पित साथियों, समाचार पत्रों और गांवों में लगाए गए पोस्टर-पंपलेट के माध्यम से मिली।

इस सफल आत्मसमर्पण में गरियाबंद पुलिस की ई-30 टीम, 19वीं बटालियन सीएएफ, एसटीएफ, 65वीं और 211वीं बटालियन सीआरपीएफ तथा कोबरा 207 बटालियन की अहम भूमिका रही। पुलिस ने जिले में सक्रिय अन्य माओवादियों से भी आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा से जुड़ने की अपील की है।

चूहा सम्मान रैली

राजनीति में अब कुछ भी हो सकता है। जनता को अपना नेता चुनने का मौका तो पांच साल में एक बार ही मिलता है। इसलिए नेता उससे जुड़े रहने के लिए तरह तरह की जुगत भिड़ाते रहते हैं। छत्तीसगढ़ में फिलहाल कांग्रेस विपक्ष में है। इसलिए सरकार के कामकाज पर नजर रखना उसकी जवाबदारी है। जब बाकी सब शासन के आस-पास घूम रहे होते हैं तब यह जिम्मेदारी प्रतिपक्ष की हो जाती है कि वह सरकार को असहज करता रहे। तो फिर इसमें जनता का क्या? दरअसल, इसी में छिपा है जनत का मनोरंजन। नेता न केवल नए-नए नारा गढ़कर लाते हैं बल्कि अपने चुटीले संवादों और मजेदार हरकतों से जनता का भरपूर मनोरंजन भी करते हैं। कुछ ऐसा ही मौका मिला है कांग्रेस को। छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों से धान का स्टॉक कम हो जाने की रिपोर्ट आई है। जिम्मेदार कह रहे हैं कि कुछ तो मात्रा सुखत में कम हो गई। कुछ चूहे और दीमक खा गए। बस फिर क्या था, कांग्रेस ने चूहे वाली बात पकड़ ली। चूहे और दीमक द्वारा कई क्विंटल धान खा जाने की बात को कांग्रेस ने धान घोटाले का नाम दे दिया। कांग्रेस का आरोप है कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार कवर्धा जिले में करीब 7 करोड़ रुपये और महासमुंद में लगभग 5 करोड़ रुपये का धान 'चूहों द्वारा खा जाने' की बात कही जा रही है। कांग्रेस ने इसे अविश्वसनीय बताते हुए कहा कि गरीब किसानों की मेहनत का धान भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। इस घोटाले को उजागर करने वाले चूहों को इसका क्रेडिट भी दे दिया। सोमवार शाम को स्थानीय कांग्रेसियों ने 'चूहा सम्मान रैली' निकाली। इसमें जिला कांग्रेस अध्यक्ष, भिलाई नगर कांग्रेस विधायक सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। रील और मीम बनाने वालो ने भी इस विषय को उठा लिया। तड़ातड़ रील बनने लगे। साथ ही एआई से ऐसे चूहे भी तैयार कर लिए जो धान के बोरों पर डांस करते और पार्टी करते नजर आ रहे हैं। आम नागरिकों के मजे हो गए। बिना कहीं गए, बिना दिमाग लगाए या पैसे खर्च किये घर पर ही उनका मनोरंजन हो रहा है।

OYO होटल सीलः इधर-उधर भागे युवक-युवतियां

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नगर निगम ने शुक्रवार को सरकंडा क्षेत्र के देवनंदन नगर में बिना अनुमति संचालित हो रहे एक OYO होटल पर कार्रवाई करते हुए उसे सील कर दिया। यह कदम स्थानीय लोगों की शिकायतों के बाद उठाया गया, जिसमें होटल में हो रही संदिग्ध गतिविधियों का उल्लेख किया गया था। निगम अधिकारियों के अनुसार, यह OYO होटल रिहायशी इलाके में बिना किसी वैध अनुमति के संचालित किया जा रहा था। होटल के कागजात और संचालन संबंधी दस्तावेज जांच में संतोषजनक नहीं पाए गए, जिसके बाद तत्काल सील करने की कार्रवाई की गई। सीलिंग के लिए पहुंचे निगम दल को देखते ही होटल में मौजूद एक युवक और युवती वहां से भागते हुए नजर आए। इससे होटल में चल रही गतिविधियों को लेकर संदेह और मजबूत हुआ।

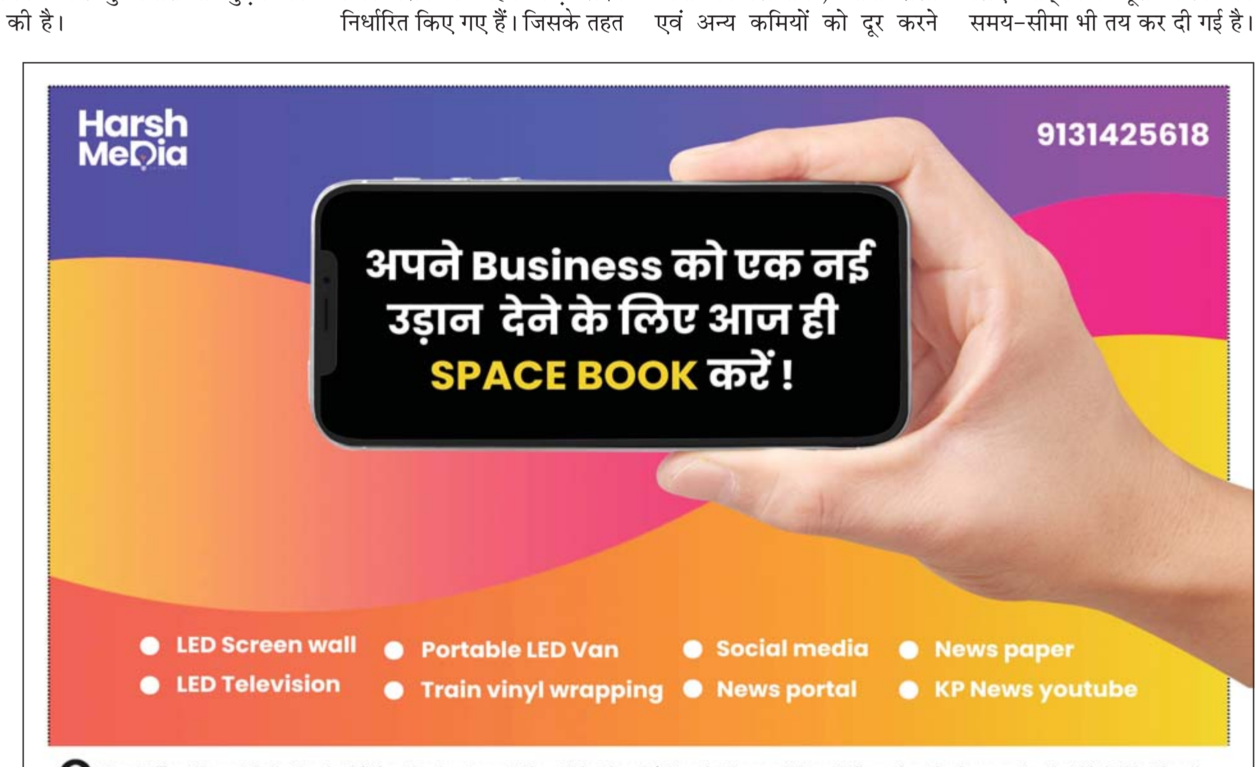

संपादकीय

शांति थोपने की कोशिश

गाजा पर ट्रम्प प्रस्ताव यूएन को करेगा कमजोर

नोबेल शांति पुरस्कार की उत्कट अभिलाषा के मोह में अमेरिकी राष्ट्रपति दुनिया के तमाम हिस्सों में जारी अशांति पर शांति थोपने की असफल कोशिश करते रहे हैं। कई देशों में टकराव के बाद शांति की स्थापना की असफल कोशिशों के पश्चात अब ट्रंप गाजा में शांति थोपने का उपक्रम कर रहे हैं। गाजा में शांति स्थापना के लिये अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रस्तावित योजना विश्व की नियामक संस्थाओं के ढांचे से बाहर उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप एक महत्वाकांक्षी कदम है। गाजा में शांति बनाये रखने के लिये मुनाफे व व्यापार जैसी प्रक्रिया के रूप में यह प्रयास अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता को एक प्रत्यक्ष चुनौती है। जो लंबे समय से दुनिया के सबसे जटिल संघर्षों में से एक गाजा संकट को दूर करने के प्रयासों में लगी हुई हैं। सही मायनों में ट्रंप का यह शांति प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र संघ को दरकिनार करने जैसा है, जिसको लेकर उन्होंने बार-बार नकारात्मक प्रतिक्रिया दी हैं। उनकी दलील है कि संयुक्त राष्ट्र संघ मौजूदा वैश्विक चुनौतियों से निपटने में अक्षम और पक्षपाती है। वह इसमें अत्यधिक नौकरशाही हावी होने के भी आरोप लगाते रहे हैं। निश्चित तौर पर दुनिया की महाशक्तियां संयुक्त राष्ट्र को हांकने का प्रयास करती रही हैं। वे अपने मनमाफिक न होने पर इसे अक्षम बताने लगते हैं। दरअसल, ट्रंप की कोशिश है कि उसकी मनमाफिक क्षेत्रीय शक्तियां और अमेरिका-संगठित पक्षों द्वारा शांति योजना को सिरे चढ़ाया जाए। निश्चित रूप से यह प्रयास सार्वभौमिक बहुपक्षवाद को नकार कर शासन व्यवस्था बदलने का प्रयास ही है। निर्विवाद रूप से जो शांति, बिना वैधता,सहमति और जवाबदेही के थोपी जाती है, वह कभी स्थायी समाधान का वाहक नहीं बन सकती है। ऐसे में किसी भी विश्वसनीय शांति प्रयास के जरिये उन वास्तविकताओं से निपटना होगा, जिन्हें ट्रंप मनमानी व जल्दबाजी में अकसर नजरअंदाज करते रहे हैं। अन्यथा यह कोशिश भी ट्रंप की अन्य कोशिशों की तरह विफल ही साबित होगी।

> “ निश्चित तौर पर दुनिया की महाशक्तियां संयुक्त राष्ट्र को हांकने का प्रयास करती रही हैं। वे अपने मनमाफिक न होने पर इसे अक्षम बताने लगते हैं। दरअसल, ट्रंप की कोशिश है कि उसकी मनमाफिक क्षेत्रीय शक्तियां और अमेरिका-संगठित पक्षों द्वारा शांति योजना को सिरे चढ़ाया जाए। निश्चित रूप से यह प्रयास सार्वभौमिक बहुपक्षवाद को नकार कर शासन व्यवस्था बदलने का प्रयास ही है। निर्विवाद रूप से जो शांति, बिना वैधता,सहमति और जवाबदेही के थोपी जाती है, वह कभी स्थायी समाधान का वाहक नहीं बन सकती है। ऐसे में किसी भी विश्वसनीय शांति प्रयास के जरिये उन वास्तविकताओं से निपटना होगा, जिन्हें ट्रंप मनमानी व जल्दबाजी में अकसर नजरअंदाज करते रहे हैं। अन्यथा यह कोशिश भी ट्रंप की अन्य कोशिशों की तरह विफल ही साबित होगी।

आज गाजा संकट जिस मुश्किल दौर में पहुंच चुका है, उसके लिये जरूरी है कि अंतर्राष्ट्रीय कानून के क्रियान्वयन, नागरिकों की सुरक्षा और समावेशी शासन का मार्ग प्रभावी समझौते से सुनिश्चित किया जाए। ऐसे हालात में यदि अमेरिका अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं को अधिक महत्व देता है या राजनीतिक अधिकारों के बजाय आर्थिक वादों को प्राथमिकता देता है, तो इस प्रयास में उस जोखिम की आशंका बनी रह सकती है, जो जमीनी वास्तविकताओं के बोझ से ढह सकता है। गाजा में शांति के लिये नये प्रयास कसौटी पर तभी खरे उतर सकते हैं जब इसमें गाजा की वास्तविक आवाज को सुना जाता हो। निश्चित रूप से हिंसा पर काबू पाना प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन नागरिकों के जीवन की गरिमा बनाये रखना और सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है। शांति समझौते में यदि स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी होती है तो यह शांति प्रस्ताव एक उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि दशकों से हिंसा व विस्थापन का दंश झेल रहे गाजावासियों के कष्टों को और बढ़ाएगा ही। भारत को इस शांति प्रयासों में शामिल करने का प्रस्ताव अमेरिका की ओर से दिया गया है। भारत वहां सदा से ही द्विराष्ट्र के सिद्धांत का समर्थन करता आया है। निर्विवाद रूप से भारत के जहां इस्राइल से बेहतर संबंध हैं, वहीं विश्वसनीयता अरब देशों में भी बरकरार रही है। गाजा में शांति प्रयासों में लगे अरब देशों के साथ भारत के मधुर संबंध रहे हैं। लेकिन यदि शांति प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को नजरअंदाज किया जाता है तो यह भारत की कूटनीतिक पहल के अनुकूल नहीं होगा। निस्संदेह, भारत हमेशा से ही प्रत्यक्ष हस्तक्षेप के बजाय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिये बहुपक्षीय मंचों पर ही भरोसा करता रहा है। ऐसे में गाजा में शांति के लिये पहल वैश्विक राजनीति में ट्रंप-प्रेरित उथल-पुथल को ही दर्शाती है। यदि गाजा में सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास संयुक्त राष्ट्र को नजरअंदाज करते हैं, तो यह उस अंतर्राष्ट्रीय ढांचे को कमजोर करने का जोखिम बढ़ाएगा, जिसकी जरूरत समझौते के पूरा होने के बाद शांति बनाये रखने के लिये है।

बड़े पैमाने पर निर्माण, निश्चितता के साथ कार्य पूर्णता

एकीकृत प्रशासन कैसे भारत के अवसंरचना परिदृश्य को नया रूप दे रहा है

विनायक पाई

पिछले दशक में, भारत के अवसंरचना परिदृश्य में एक संरचनात्मक बदलाव हुआ है—ऐसा बदलाव, जो केवल परिसंपत्ति निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रशासन और सेवा अदायगी की संरचना तक विस्तारित है। पिछले चरणों की तुलना में इस दौर की विशेषता सिर्फ निवेश के पैमाने या कार्यान्वयन की गति से ही संबंधित नहीं है, बल्कि इस बात में भी है कि एक सुसंगत, परिणाम-उन्मुख प्रणाली उभर रही है, जो नीतिगत उद्देश्य, संघीय सहयोग और जमीन पर कार्यान्वयन के अनुरूप है।

आज, भारत निर्णायक रूप से एक प्लेटफॉर्म-आधारित प्रशासन मॉडल की ओर आगे बढ़ रहा है—एक ऐसा मॉडल, जो अवसंरचना को अलग-अलग परियोजनाओं के समूह के बजाय एकीकृत राष्ट्रीय प्रणाली के रूप में देखता है।

अलग-अलग परियोजनाओं के बजाय, प्रणाली की सहायता से पैमाने का विस्तार

इस बदलाव का स्पष्ट प्रमाण है - राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क का विस्तार, जो 2014 के लगभग 91,000 किमी से बढ़कर 2024 में 1.46 लाख किमी से अधिक हो गया है। निर्माण की गति में हुई वृद्धि का भी समान महत्व है, जो लगभग 12 किमी प्रति दिन से बढ़कर 34 किमी प्रति दिन से अधिक हो गई है।

इस गति को अक्सर एक तकनीकी उपलब्धि माना जाता है। वास्तव में, यह परियोजनाओं के विभिन्न पहलुओं का सहज रूप से समन्वय करने के बारे में है। यह एक ऐसी प्रणाली को प्रतिबिंबित करता है, जहाँ बाधाओं का पूर्वानुमान लगाया जाता है और समय पर समाधान किया जाता है।

सार्वजनिक नीति के दृष्टिकोण से, परियोजनाओं के तेजी से पूरे होने का सीधा मतलब है - सामाजिक और आर्थिक लाभों की जल्द प्राप्ति — गांव, बाजारों से जुड़ते हैं, स्वास्थ्य और शिक्षा तक आसान पहुँच की सुविधा मिलती है और आपदा राहत गतिविधि एवं राष्ट्रीय सहनीयता मजबूत होती है। यह लॉजिस्टिक लागत को कम करके औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जवाबदेही को संस्थागत रूप देना: समीक्षा से समाधान तक

इस दशक की एक प्रमुख विशेषता है, समयबद्ध जवाबदेही को संस्थागत रूप देना। प्रगति (सक्रिय शासन और समय पर कार्यान्वयन) की शुरुआत से जटिल, अंतर-मंत्रालयी परियोजनाओं के प्रबंधन को एक नयी दिशा मिली।

यहां सबसे महत्वपूर्ण नीति संकेत सांस्कृतिक है: विलंब को अब सामान्य नहीं माना जाता और जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से सौंपी जाती है। इसके परिणामस्वरूप, बड़े और तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण परियोजनाएं—जो कभी लंबे समय तक सुस्त पड़ी रहती थीं—अब पूर्वानुमान और अनुशासन के साथ प्रगति कर रही हैं।

एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव, अवसंरचना परियोजनाओं में सहयोगात्मक संघवाद को मजबूत करना रहा है। केंद्र और राज्यों के बीच नियमित व विभिन्न स्तरों पर संवाद ने कार्यान्वयन के माहौल को बदल दिया है, विशेष रूप से उन परियोजनाओं के लिए जो कई क्षेत्रों में फैली होती हैं। यह मॉडल संवैधानिक भूमिकाओं का सम्मान करता है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के लिए सामंजस्य सुनिश्चित करता है। राज्य अब केंद्रीय प्रायोजित परियोजनाओं के निष्क्रिय प्राप्तकर्ता नहीं हैं, बल्कि योजना, कार्यान्वयन और परिणाम प्रबंधन में सक्रिय साझेदार हैं। इसका परिणाम है - तेज सहमति निर्माण, कम कानूनी विवाद और जमीन पर सुचारु क्रियान्वयन।

उद्योग जगत के दृष्टिकोण से, यह पूर्वानुमान क्षमता कार्यान्वयन जोखिम को कम करती है। नीतिगत दृष्टिकोण से, यह भारत की संघीय कार्यान्वयन क्षमता में विश्वास को मजबूत करती है।

विविध प्रारूपों से जुड़ी योजना: परिसंपत्तियों से नेटवर्क तक

भारत की अवसंरचना रणनीति, परिवहन संपर्क से प्रतिस्पर्धा की ओर भी विकसित हो रही है। सड़कों की योजनायें अब केवल अंतिम बिंदुओं के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक लॉजिस्टिक्स और परिवहन इकोसिस्टम के रूप में बनायी जा रही हैं।

राजमार्गों का रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों और शहरी परिवहन के साथ एकीकरण—जिसका समर्थन राष्ट्रीय योजना रूपरेखाओं, जैसे गति शक्ति द्वारा किया जा रहा है— ने भारत की लंबे समय से मौजूद संरचनात्मक चुनौतियों में से एक: उच्च लॉजिस्टिक्स लागत, का समाधान करना शुरू कर दिया है।

नीति निर्माताओं के लिए, यह बदलाव एक महत्वपूर्ण सबक को रेखांकित करता है: अवसंरचना की दक्षता केवल परिसंपत्ति की गुणवत्ता से नहीं, बल्कि परिसंपत्तियों के बीच समन्वय से निर्धारित होती है। एकीकृत योजना पुनरावृत्ति को कम करती है, सार्वजनिक पूंजी का अधिकतम उपयोग करती है और राष्ट्रीय संपत्तियों के उपयोग में सुधार करती है।

निवेश और उद्योग जगत के लिए भरोसे का लाभ

स्पष्ट नीति, तेज निर्णय चक्र और दिखाई देने योग्य कार्यान्वयन गति ने निवेशकों की धारणाओं को बदल दिया है। भारत में अवसंरचना को एक स्थिर व दीर्घकालिक निवेश की संभावना के रूप में देखा जा रहा है, जिसे संस्थागत निरंतरता और प्रशासनिक संकल्प से समर्थन मिल रहा है।

ईपीसी उद्योग के लिए, यह वातावरण प्रौद्योगिकी, यांत्रिकीकरण, सुरक्षा प्रणालियों और कौशल विकास में बड़े निवेश करने की सुविधा देता है। यह कंपनियों को अनिश्चितता का सामना करने के बजाय आत्मविश्वास के साथ बड़े पैमाने की योजना बनाने की अनुमति देता है।

अगले चरण के लिए नीति प्राथमिकताएँ

भारत अवसंरचना विस्तार के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, नीतिगत ध्यान अब मात्रा के बजाय मूल्य की ओर होना चाहिए। प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं:

प्रारंभिक योजना और गुणवत्ता युक्त डीपीआर पर विशेष ध्यान

जीवनचक्र आधारित परियोजना का योजना निर्माण, प्रारंभिक डिजाइन से परिचालन तक में स्थायित्व और सहनीयता शामिल करना, निर्णय समयसीमा को और कम करने के लिए डिजिटल प्रशासन और डेटा एकीकरण, तकनीक का उपयोग करके कार्यान्वयन गुणवत्ता बनाए रखने के लिए राज्य और स्थानीय स्तर पर क्षमता निर्माण, गति और वित्तीय विवेक को संतुलित करने वाली जोखिम-साझाकरण व्यवस्था ।

सभी जीवनचक्रों में कौशल विकास

भारत की अवसंरचना यात्रा को अब इरादे या कार्यक्षमता की कमी से रोका नहीं जा सकता है। आगे का कार्य इन प्रणालियों को और गहरा करना, संस्थागत निरंतरता की रक्षा करना, और यह सुनिश्चित करना है कि अवसंरचना समावेशी, प्रतिस्पर्धी और मजबूत विकास के लिए एक आधार के रूप में कार्य करती रहे।

(लेखक, भारतीय उद्योग परिसंघ महाराष्ट्र और राष्ट्रीय सड़क एवं राजमार्ग समिति के अध्यक्ष हैं)

नैरेटिव गढ़ने में एआई माहिर है, हमें सावधान रहना होगा

रिचर्ड के. शेरविन

आठ वर्ष पहले व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि जो भी एआई में महारत हासिल करेगा, वही दुनिया पर राज करेगा। तब से इस तकनीक में निवेश विस्फोटक रूप से बढ़ा है। अकेले 2025 में ही माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, अमेजन और मेटा ने एआई पर 320 अरब डॉलर से अधिक खर्च किए। एआई में वर्चस्व की यह दौड़ तीखी प्रतिक्रिया भी पैदा कर रही है।

आशंकाएं बढ़ रही हैं कि बुद्धिमान मशीनें सुरक्षा के नए जोखिम पैदा करेंगी- जैसे आतंकवादियों, हैकरों और अन्य बुरे तत्वों को सशक्त करना। और यदि एआई मानव नियंत्रण से पूरी तरह बाहर निकल जाए तो? तब क्या वह अपने वर्चस्व की तलाश में मनुष्यों को पराजित कर सकती है? लेकिन इससे भी अधिक तात्कालिक खतरा मौजूद है।

लगातार अधिक शक्तिशाली लेकिन अपारदर्शी एआई एल्गोरिदम हमारी स्वतंत्रता के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं। जितना अधिक हम सोचने का काम मशीनों को सौंपते जाएंगे, उतनी ही कम हमारी क्षमता चुनौतियों से निपटने की रह जाएगी। हमारी स्वतंत्रता पर यह खतरा दोहरा है। एक ओर रूस और चीन जैसे निरंकुश शासन पहले ही एआई का उपयोग व्यापक पैमाने पर लोगों की निगरानी और पहले से कहीं अधिक परिष्कृत तौर-तरीकों से उनके दमन के लिए कर रहे हैं।

वे न केवल असहमति को कुचल रहे हैं, बल्कि सूचना के किसी भी ऐसे स्रोत को निशाना बना रहे हैं जो असंतोष को जन्म दे सकता है। दूसरी ओर, निजी और बहुराष्ट्रीय कंपनियां- जिनके पास अपार पूंजी और डेटा तक पहुंच है- अपने उत्पादों और प्रणालियों में एआई को एकीकृत करके मानवीय हस्तक्षेप को कमजोर कर रही हैं।

उनका इकलौता मकसद अपने मुनाफे को अधिकतम करना है। सोशल मीडिया के गंभीर सामाजिक, राजनीतिक और मानसिक-स्वास्थ्य प्रभाव तो हम पहले ही देख चुके हैं। एआई उदार लोकतंत्रों के सामने भी अस्तित्वगत प्रश्न खड़ा करती है। यदि यह तकनीक निजी क्षेत्र के नियंत्रण में ही बनी रहती है तो जनता की, जनता के द्वारा और जनता के लिए सरकार कैसे बच सकेगी?

लोगों को समझने की जरूरत है कि स्वतंत्रता का सार्थक प्रयोग इस बात पर निर्भर करता है कि मानवीय-प्रसंगों की रक्षा की जाए। उन्हें उन मशीनों के अतिक्रमण से बचाया जाए, जिन्हें सोचने और महसूस करने की हमारी प्रक्रियाओं को इस तरह ढालने के लिए बनाया गया है कि इसका लाभ कॉर्पोरेट हितों को हो।

हालिया एक अध्ययन- जिसमें लगभग 77,000 लोगों ने राजनीतिक मुद्दों पर एआई मॉडलों के साथ संवाद किया- में पाया गया कि लोगों को किसी नैरेटिव की तरफ झुकाने के मकसद से डिजाइन किए गए चैटबॉट उन मॉडलों की तुलना में- जिन्हें इस तरह से प्रशिक्षित नहीं किया गया था- 51त्न तक अधिक प्रभावी थे।

एक अन्य हालिया अध्ययन (कनाडा और पोलैंड में) में हर दस में से एक मतदाता ने शोधकर्ताओं को बताया कि एआई चैटबॉट्स के साथ हुई बातचीत ने उन्हें किसी विशेष उम्मीदवार का समर्थन न करने की स्थिति से समर्थन करने की ओर मोड़ दिया। फ्री-स्पीच का पारम्परिक सिद्धांत भी उस डिजिटल बाजार के लिए उपयुक्त नहीं रह गया है, जो सर्वव्यापी एल्गोरिदमों द्वारा आकार ले रहा है- एल्गोरिदम जो चुपचाप एआई इन्फ्लुएंसर की तरह काम करते हैं।

ऑनलाइन सेवाओं के यूजर्स को लग सकता है कि उन्हें वही दिखाया जा रहा है जो वे चाहते हैं, लेकिन जिन व्यापक तरीकों से एल्गोरिदम यूजर्स को उस दिशा में मोड़ देते हैं, जहां कॉर्पोरेट प्लेटफॉर्म उन्हें ले जाना चाहता हैं, वे गोपनीय बने रहते हैं। फ्री-स्पीच सिद्धांत की ऐसी ही विकृति 1996 के कम्युनिकेशंस डिसेंसी एक्ट की धारा 230 में भी दिखती है, जो डिजिटल प्लेटफॉर्म मालिकों को ऑनलाइन सामग्री से होने वाले नुकसान के लिए जिम्मेदारी से बचाती है।

यह कॉर्पोरेट-फ्रेंडली नीति मानकर चलती है कि ऐसी सारी सामग्री यूजर-जनरेटेड होती है- यानी लोग इनके माध्यम से बस विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं और अपनी पसंद जाहिर कर रहे हैं। लेकिन मेटा, टिकटॉक, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्म किसी तटस्थ मंच की तरह काम नहीं करते। उनका अस्तित्व ही इस धारणा पर टिका है कि यूजर्स के अटेंशन से ज्यादा से ज्यादा मुनाफा कमाना ही फायदे का सौदा है। इसके लिए खास तरह की जानकारी परोसने से भी उन्हें हर्ज नहीं।

(प्रोजेक्ट सिंडिकेट)

एक गौरवशाली विरासत से खिलवाड़ की कोशिश

दयाल सिंह

कश्मीर के पूर्व राज्यपाल और द ट्रिब्यून ट्रस्ट के अध्यक्ष एन.एन. वोहरा के अनुसार 'कॉलेज का नाम बदलने का कोई भी कदम 'अत्यंत अनुचित और अविवेकपूर्ण होगा'।

महान स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी, दूरदृष्टा, राष्ट्रवादी नेता सरदार दयाल सिंह मजीठिया द्वारा शिक्षा प्रसार के लिए दिए योगदान को कृतज्ञ राष्ट्र भुला नहीं सकता। उनके सपनों को साकार करने हेतु दिल्ली में स्थापित दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने की अप्रिय कोशिश फिर हुई है। 'वीर बाल दिवस' के मौके पर, दिल्ली यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर ने एक बार फिर दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, हम कॉलेज का नाम बंदा सिंह बहादुर के नाम पर रखना चाहते हैं। दलील दी गई कि दयाल सिंह नाम के मॉर्निंग व इवनिंग कॉलेज होने से छात्रों को भ्रम होता है।

दयाल सिंह कॉलेज का एकेडमिक सेशन 1959 में शुरू हुआ और यह कन्फ्यूजन 67 साल बाद, 2026 में पैदा हुआ। कथित भ्रम के बावजूद शैक्षणिक सत्र 2025-2026 में मॉर्निंग और इवनिंग कॉलेजों में 9300 से अधिक छात्र पढ़ रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्वान और प्रतिभाशाली शिक्षकों के कारण कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के 10 शीर्ष कॉलेजों में आता है। सरदार दयाल सिंह मजीठिया (1848-1898), पंजाब के मजीठा गांव के एक महान सपूत थे, जो एक महान परोपकारी, राष्ट्रीय नायक और समानता, स्वतंत्रता, भाईचारा, उदारवाद और मानवता के प्रेमी थे। समाज में अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए, दयाल सिंह मजीठिया ने तीन ट्रस्टों की स्थापना की- द

ट्रिब्यून ट्रस्ट, कॉलेज ट्रस्ट और लाइब्रेरी ट्रस्ट। उनके अथक प्रयासों के कारण, पंजाब विश्वविद्यालय, लाहौर की स्थापना 1882 में हुई। दयाल सिंह मजीठिया 'द ट्रिब्यून' (2 फरवरी, 1881) और 'पंजाब नेशनल बैंक' (मई 1894) के संस्थापक भी थे।

दयाल सिंह कॉलेज, लाहौर की स्थापना 1910 में दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसायटी द्वारा, मजीठिया जी की वसीयत के अनुच्छेद 8 में दिए गए निर्देशों के अनुसार की गई थी। विभाजन के कारण दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसायटी की अधिकांश संपत्ति लाहौर में ही रह गई। ट्रस्ट ने ईमानदारी से दयाल सिंह की विरासत और विचारधारा को आगे बढ़ाया। दयाल सिंह कॉलेज, करनाल (9 सितंबर, 1949), दयाल सिंह पब्लिक लाइब्रेरी, दिल्ली (1954-55), और दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज, दिल्ली (1958) की स्थापना की। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के संस्थापक वाइस-चांसलर दीवान आनंद कुमार ने इन एजुकेशनल संस्थानों को स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई।

दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली की स्थापना करने और फाइनेंशियल संकट से उबरने के लिए, ट्रस्ट को दयाल सिंह कॉलेज, करनाल की ज़मीन बेचनी पड़ी। 1978 में, फाइनेंशियल संकट के कारण, दयाल सिंह कॉलेज (मॉर्निंग और इवनिंग) को एक एग्रीमेंट के ज़रिए दिल्ली यूनिवर्सिटी को ट्रांसफर किया गया। ट्रस्ट सोसाइटी को बदले में कोई मुआवज़ा नहीं मिला। लेकिन एग्रीमेंट के क्लॉज़ 12 के अनुसार, 'संस्थान को दयाल सिंह कॉलेज के नाम से ही जाना जाता रहेगा।' फलत: व्यक्ति या सरकार को एग्रीमेंट की शर्तों का उल्लंघन करने का अधिकार नहीं है।

नवंबर 2017 में भी दयाल सिंह कॉलेज गवर्निंग बॉडी के तत्कालीन चेयरमैन अमिताभ सिन्हा इसका नाम बदलने के लिए दृढ़ थे। उन्होंने कहा कि इवनिंग कॉलेज का नाम बदलकर 'पंडित मदन मोहन मालवीय कॉलेज' कर दिया जाएगा। 17 नवंबर, 2017 को, वे कॉलेज गवर्निंग बॉडी से दयाल सिंह कॉलेज का नाम बदलकर 'वंदे मातरम कॉलेज' करने और उसे मॉर्निंग शिफ्ट में शिफ्ट करने का प्रस्ताव पास करवाने में सफल रहे, जिसकी फाइनल मंज़ूरी यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर को देनी थी। इस कदम की सोशल मीडिया, अखबारों और टेलीविज़न चैनलों पर कड़ी आलोचना हुई। इसे शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता पर एक खतरनाक हमला भी माना गया। भाजपा की सहयोगी शिरोमणि अकाली दल व कांग्रेस नेताओं ने भी इस फैसले की आलोचना की। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के महासचिव मनजीत सिंह सिरसा और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष त्रिलोचन सिंह ने प्रस्ताव वापस लेने की मांग की। एसजीपीसी के अध्यक्ष सरदार अवतार सिंह मक्कड़ ने भी इसका विरोध किया।

27 नवंबर, 2017 को दिल्ली के रकाबगंज गुरुद्वारे में आयोजित शिक्षाविदों और विद्वानों की बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार कुलदीप नैयर ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने से रोकने के लिए भारत सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति बनाना था।

19 दिसंबर, 2017 को राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान, कांग्रेस सांसदों आनंद शर्मा, अंबिका सोनी, ऑस्कर फर्नांडीस, एस.एस. ढींडसा और बी.के. हरिप्रसाद सहित कई सांसदों ने नरेश कुमार गुजराल के प्रस्ताव का समर्थन किया। तत्कालीन केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने सांसदों से कहा कि दयाल सिंह इवनिंग कॉलेज का नाम बदलने का फैसला केंद्र सरकार का फैसला नहीं था। उन्होंने गवर्निंग बॉडी के फैसले पर रोक लगाने की घोषणा की।

लेखक दयाल सिंह कॉलेज, करनाल के प्राचार्य रहे हैं।

गंभीर आर्थिक चुनौतियां

सरकार ने विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवत: चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, सरकार चाहे तो अब भी यह रास्ता अपना सकती है।

हालांकि पुष्टि नहीं हुई है, मगर मीडिया में छपी कई ऐसी रिपोर्टों से देश में व्यग्रता देखी गई है कि केंद्र भारतीय बाजार को चीनी कंपनियों के लिए खोलने जा रहा है। कुछ खबरों के मुताबिक जिन क्षेत्रों को खोला जाएगा, उनमें सरकारी ठेके भी हैं। सरकारी क्षेत्र के ठेके हर वर्ष 700-750 बिलियन डॉलर के होते हैं। यह एक बड़ा बाजार है। कुछ अन्य खबरों में बताया गया है कि सरकार जरूरत के हिसाब से कदम उठाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि उसी अनुपात में चीन भी भारतीय उत्पादों के लिए अपना बाजार खोले। बहरहाल, यह मामला सिर्फ व्यापारिक नहीं है। इसीलिए कई हलकों से इन खबरों पर उग्र प्रतिक्रिया हुई है। कांग्रेस ने तो इसे गलवाल घाटी के शहीदों का अपमान बताया है।

मुमकिन है कि ऐसी प्रतिक्रियाओं के पीछे सियासी मकसद भी हों, लेकिन भारत में मौजूद भावनाओं के मद्देनजर उन्हें बिल्कुल दरकिनार नहीं किया जा सकता। आखिर खुद नरेंद्र मोदी सरकार ने चीन कंपनियों पर प्रतिबंध अप्रैल 2020 के बाद से वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बढ़े तनाव की पृष्ठभूमि में उठाया था। तब से चीन से कारोबार के प्रश्न को सत्ताधारी पार्टी और उसके समर्थकों ने भारतीय की राष्ट्रवादी भावनाओं से जोड़ा था। तब से भारत में दो तरह की धारणाएं रही हैं। एक राय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस घोषणा पर आधारित है कि 'भारत की सीमा में ना तो कोई घुसा और ना किसी ने भारत की जमीन पर कब्जा किया है'।

दूसरी राय उन खबरों पर आधारित है, जिनमें लगातार बताया गया है कि चीनी फौज लद्दाख क्षेत्र में भारतीय इलाकों में घुसी और वहां बफर जोन बनवा कर वापस लौटी। यानी भारत की पहुंच से बड़ा इलाका निकल गया। मोदी सरकार ने इस बारे में विपक्ष से संवाद करते हुए राष्ट्र को भरोसे में लिया होता, तो संभवत: चीनी कंपनियों के लिए भारत के दरवाजे खोलने के मुद्दे पर उसे आलोचना नहीं झेलनी पड़ती। बहरहाल, अब सरकार चाहे तो यह रास्ता अपना सकती है। बेहतर होगा अगर वह आज की गंभीर आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर इस कदम की जरूरत पर राष्ट्रीय आम सहमति तैयार करे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

धान घोटाले के खिलाफकांग्रेस ने निकाली 'चूहा सम्मान रैली'

भिलाई। छत्तीसगढ़ में कथित धान घोटाले को लेकर कांग्रेस ने भिलाई में अनोखे और व्यंग्यात्मक अंदाज में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी नर्सिंग नाथ के नेतृत्व में सोमवार शाम करीब 4:30 बजे 'चूहा सम्मान रैली' निकाली गई। रैली में भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव सहित जिला व ब्लॉक स्तर के कई नेता और सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये के नुकसान को सरकार चूहों के सिर मढ़कर दोषियों को बचाने की कोशिश कर रही है।

विद्युतीकरण का विधायक ललित ने किया लोकार्पण

दुर्ग। रिसाली निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 23, प्रगतिनगर रिसाली में मैत्री कुंज मेन रोड से सेंट जेवियर्स स्कूल तक 18.74 लाख की लागत से निर्मित विद्युतीकरण रिसाली वार्ड नंबर 26 गोल्डन चौक उमर पोटी रोड, चौधरी विला रेल्वे अंडर ब्रिज तक विद्युतीकरण लगात राशि 34.48 लाख रूपए का दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर एवं महापौर शशि सिन्हा ने लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा, यह हमारे क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और उनका जीवन आसान होगा।

26 तक 'कोसा एवं कॉटन ऑफ छत्तीसगढ़' प्रदर्शनी

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन ग्रामोद्योग विभाग के आदेशानुसार जिला हाथकरघा कार्यालय द्वारा गणतंत्र दिवस के अवसर पर कोसा एवं कॉटन ऑफ छत्तीसगढ़ हाथ करघा वस्त्र प्रदर्शनी सह विक्रय का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 20 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक पंजाबी पैलेस सेक्टर–05 गणेश मंदिर के सामने भिलाई में आयोजित होगी। प्रदर्शनी का शुभारंभ 20 जनवरी 2026 को शाम 5 बजे स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव करेंगे। अध्यक्षता सांसद विजय बघेल करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक देवेन्द्र यादव, नगर निगम भिलाई के महापौर नीरज पाल, अध्यक्ष छ.ग.राज्य हाथ करघा विकास एवं विपणन संघ भोजराम देवांगन सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी शामिल होंगे।

निजी क्षेत्र के 126 पदों के लिए प्लेसमेंट कैम्प 22 को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र में गुरुवार, 22 जनवरी 2026 को पूर्वान्ह 10:30 बजे से प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस प्लेसमेंट कैम्प में निजी क्षेत्र के दो नियोजकों के माध्यम से कस्टमर सपोर्ट एसोसिएट (100), सेल्स एग्जीक्यूटिव (10), सीनियर सेल्स एग्जीक्यूटिव (5), सेल्स एडवाइजर (5) एवं ड्राइवर (6) सहित कुल 126 रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। इन सभी पदों हेतु वेतन 8,000 से 25,000 रुपये है। इस कैंप में 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा एवं किसी भी विषय में स्नातक आवेदक सम्मिलित हो सकते हैं।

हेमचंद यादव विवि की महिला बास्केटबॉल टीम ने लगातार दूसरी बार किया चैम्पियनशिप पर कब्जा

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। विश्वविद्यालय की बॉस्केटबॉल पुरूष और महिला दोनों ही टीमों ने विजेता का खिताब हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। खेल संचालक डॉ दिनेश नामदेव ने बताया कि दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर उ.प्र. में दिनांक 15–19 जनवरी 2026 तक आयोजित ईस्ट जोन बॉस्केटबॉल महिला प्रतियोगिता में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की बॉस्केटबॉल महिला टीम ने लगातार दूसरे वर्ष प्रतियोगिता में विजेता का खिताब जीता और सर्वोच्च स्कोर का भी रिकार्ड बनाया। कुलपति प्रो. (डॉ.) संजय तिवारी, कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप ने खेल संचालक डॉ. दिनेश नामदेव, टीम के खिलाड़ियों, मैनेजर व कोच को बधाई व शुभकामनाएं दी। दूसरे लीग मैच में पं. रविशंकर शुक्ला

विश्वविद्यालय, रायपुर को 53–21 से पराजित कर फाइनल राउण्ड में पहुंचे। फाइनल मैच संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा के साथ रहा जिसमें 36–26 से पराजित कर हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग की बॉस्केटबॉल महिला टीम ने विजेता का खिताब जीता। टीम के मैनेजर चन्द्रशेखर देवांगन शासकीय महाविद्यालय, पाटन व कोच निशा नेताम पूर्व बॉस्केटबॉल खिलाड़ी हैं जिनके मागदर्शन में टीम ने विजेता का खिताब हासिल की। खेल संचालक डॉ. दिनेश नामदेव ने बताया कि टीम के खिलाड़ियों, मैनेजर व कोच को 10–10 हजार रूपये प्रति सदस्य पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। ज्ञात हो कि विश्वविद्यालय की बॉस्केटबॉल पुरूष टीम ने इसी सत्र में विजेता का खिताब जीता साथ ही बॉस्केटबॉल महिला टीम ने भी विजेता का खिताब हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित की।

कचरा प्रबंधन की दिशा में सार्थक पहल ट्रॉमिल एवं इंसिनरेटर मशीन का शुभारंभ

धमधा नाका एसएलआरएम सेंटर में अत्याधुनिक मशीनों की स्थापना, पर्यावरण संरक्षण को मिलेगी मजबूती

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा शहर में ठोस एवं सैनिटरी अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत धमधा नाका स्थित एसएलआरएम (सॉलिड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट) सेंटर में अपशिष्ट प्रबंधन हेतु स्थापित ट्रामिल मशीन एवं सैनिटरी अपशिष्ट के सुरक्षित निपटान हेतु इंसिनरेटर मशीन का आज विधिवत शुभारंभ किया गया।

शुभारंभ कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल, सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण एवं स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा। पूजा–अर्चना कर मशीनों को चालू कर नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था को एक नई दिशा दी गई।

इस अवसर नरेंद्र बंजारे, शेखर चंद्राकर, नीलेश अग्रवाल, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, काशीराम कोसरे, पार्षद रंजीता पाटिल, सावित्री दमाहे, मनीष कोठारी, गुलशन साहू सहित स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, कुणाल, राहुल के अलावा बड़ी संख्या में स्वच्छता दीदी मौजूद रही।

बता दे कि नगर निगम द्वारा स्थापित ट्रामिल मशीन के माध्यम से सूखे कचरे का शत–प्रतिशत पृथकीकरण कर उसका वैज्ञानिक निपटान किया जाएगा। इससे कचरे का आयतन कम होगा, परिवहन एवं भंडारण आसान होगा तथा पृथक किए गए कचरे का उपयोग कंपोस्ट निर्माण एवं पुनर्चक्रण के लिए किया जा सकेगा। ट्रामिल मशीन की कुल लागत लगभग 1 करोड़ 62 लाख रुपये है।

वहीं, 02 नग इंसिनरेटर मशीनों के माध्यम से सैनिटरी नैपकिन, डायपर, बायो–मेडिकल एवं अन्य संक्रमण फैलाने वाले अपशिष्ट का उच्च तापमान पर भस्मीकरण कर सुरक्षित निपटान किया जाएगा। इससे बीमारियों के फैलने का खतरा कम होगा और स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। इंसिनरेटर मशीनों पर लगभग 70 लाख रुपये की लागत आई है।

यह पहल शहर में कचरे के ढेर लगने, लैंडफिल साइटों के शीघ्र भरने एवं पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याओं के समाधान की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। स्वच्छता कर्मियों की कार्य सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

स्वच्छता लक्ष्य प्राप्त होंगे - महापौर अलका बाघमार

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम द्वारा उठाया गया यह कदम स्वच्छ भारत मिशन और शहरी स्वच्छता लक्ष्यों के अनुरूप है। ट्रामिल एवं इंसिनरेटर मशीनों के संचालन से शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकेगा। उन्होंने नागरिकों से गीले एवं सूखे कचरे को अलग–अलग रखने में सहयोग करने की अपील की।

अत्याधुनिक प्रबंधन प्रणाली आज की जरूरत : आयुक्त

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया जा रहा है। ट्रामिल मशीन से कचरे का वैज्ञानिक पृथकीकरण कर उसे उपयोगी संसाधन में बदला जाएगा, वहीं इंसिनरेटर मशीन के माध्यम से सैनिटरी अपशिष्ट का सुरक्षित निपटान सुनिश्चित किया जाएगा।

शिक्षा के क्षेत्र में दिया गया प्रत्येक योगदान महत्वपूर्ण : विपिन गणवीर

डीपीएस आर्य पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शिक्षा के क्षेत्र में दिया गया किसी भी तरह का योगदान, राष्ट्र निर्माण की दिशा में उठाया गया एक कदम है। निजी क्षेत्र के शिक्षण संस्थान बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और सीमित साधनों के बीच भी निरंतर प्रगति कर रहे हैं। इस पुनीत कार्य में जनभागीदारी की भी अहम भूमिका है। इन सभी की स्तुति होनी चाहिए। उक्त उद्गार जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के शिक्षा का अधिकार प्रभारी विपिन गणवीर ने व्यक्त किये।

श्री गणवीर डीपीएस आर्य पब्लिक स्कूल के वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से संबोधित कर रहे थे। घनश्याम आर्य कन्या महाविद्यालय में आयोजित इस समारोह में शिक्षा का अधिकार प्रभारी राजदीप श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि थे। मातृशक्ति फाउंडेशन की संस्थापक डॉ अलका दास विशेष अतिथि के रूप में मौजूद थीं।

आरंभ में डीपीएस आर्य पब्लिक स्कूल की प्राचार्य आलिया खान ने शाला प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के साथ ही धन्यवाद ज्ञापन किया। दयानन्द शिक्षा समिति की वाइस प्रेसीडेंट आभा रानी गुप्ता ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर कृति विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये जिसकी अतिथियों ने सराहना की।

दुर्ग में गणतंत्र दिवस की तैयारी शुरू कलेक्टर ने किया स्थल निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज गणतंत्र दिवस की तैयारियों के संबंध में रविशंकर स्टेडियम ग्राउंड का निरीक्षण किया। उन्होंने मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, गाड़ियों की पार्किंग, झांकी के एंट्री–एक्जिट प्लान एवं सुरक्षा व्यवस्था के बारे में चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी तैयारियों को समय सीमा में पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। 24 जनवरी को गणतंत्र दिवस के संबंध में अंतिम रिहर्सल किया जाएगा। कलेक्टर ने स्थल पर मंच निर्माण सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर अभिषेक अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर हरवंश मिरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। परेड में पुलिस, नगर सेना एवं एनसीसी, स्काउट गाइड की

टुकड़ियां भाग लेंगे। समारोह सुबह नौ बजे शुरू होगा। समारोह के मुख्य अतिथि द्वारा मुख्यमंत्री के छत्तीसगढ़ वासियों के लिए प्रेषित संदेश का वाचन किया जाएगा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी–कर्मचारियों, डॉक्टरों, पुलिस कर्मियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों सहित विभिन्न विभागों को सम्मानित किया जाएगा। जिला स्तर पर आयोजित गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में चलित झांकियों का प्रदर्शन किया जाएगा।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ने गोवा चेम्बर के साथ किया एमओयू

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई/रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ और गोवा के औद्योगिक एवं व्यापारिक परिदृश्य में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और गोवा चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते का मुख्य उद्देश्य दोनों राज्यों के बीच व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना है।

समझौते की मुख्य विशेषताएं:–

व्यापारिक नेटवर्क का विस्तार:– दोनों राज्यों के व्यापारियों और उद्यमियों के बीच सीधे संपर्क और सहयोग के लिए एक मजबूत मंच

तैयार किया जाएगा।

सूचनाओं का आदान–प्रदान:– दोनों संस्थाएं निवेश के अवसरों, व्यापारिक नीतियों और विधायी परिवर्तनों के बारे में नियमित रूप से जानकारी साझा करेंगी।

उद्यमिता विकास:– उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र, बिजनेस डेलिगेशन और सेमिनारों का आयोजन साझा रूप से किया जाएगा।

प्रदर्शनी और मेलों में सहयोग:– दोनों राज्यों में आयोजित होने वाले व्यापारिक मेलों और प्रदर्शनियों में एक–दूसरे के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

संयुक्त उपक्रम :– तकनीकी हस्तांतरण, औद्योगिक सहयोग और संयुक्त उद्यमों की संभावनाओं को तलाशने के लिए दोनों पक्ष मिलकर काम करेंगे।

गोवा चेम्बर ऑफ कॉमर्स की अध्यक्ष प्रतिमा ढोंड ने कहा, यह समझौता गोवा के व्यापारिक समुदाय के लिए छत्तीसगढ़ जैसे संसाधन संपन्न राज्य के साथ जुड़ने का एक सुनहरा अवसर है। हम मिलकर नई आर्थिक संभावनाओं को जन्म देंगे।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के महामंत्री अजय भसीन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि चेम्बर हमेशा से छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के हितों और उनके विस्तार के लिए कार्यरत रहा है। यह तालमेल हमारे प्रदेश के उत्पादों और सेवाओं को नई पहचान और बाजार देगा।

मेंटल मैथ्स पर रायपुर में राज्यस्तरीय प्रतियोगिता

यूसीमास : 8 मिनट में हल कर दिए गणित के 200 सवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई/रायपुर। छत्तीसगढ़ एवं नागपुर क्षेत्र के लिए यूसीमास की मास्टर फ्रेंचाइजी अबैकस टैलेंट एलएलपी द्वारा यूसीमास अबैकस एवं मेंटल एरिथमेटिक प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर में किया गया। इस मेगा प्रतियोगिता में पांच से 13 साल की आयु के लगभग एक हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता को विजुअल, लिसनिंग एवं फ्लैश तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया था। विद्यार्थियों ने आठ मिनट में 200 प्रश्नों को हल किया।

इस अवसर पर यूसी मेंटल मध्य प्रदेश के प्रमुख नरेश

गोयल और अमृता गोयल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विशेष अतिथि धीरज अग्रवाल भी मौजूद थे। यूसी मेंटल अरिथमेटिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ डॉ. स्नेहल कारिया, नागपुर क्षेत्र एवं छत्तीसगढ़ यूसीमास के सीईओ दिलीप जैन और यूसीमास छत्तीसगढ़ की निदेशक अंजना पालीवाल उपस्थित रहीं। यूसीमास नेहरू नगर भिलाई की संचालिका अंजलि बग्गा ने बताया कि उनके स्काई इंटरनेशनल स्कूल धमधा के टिकेन्द्र साहू ने जूनियर स्टेट चैम्पियनशिप जीती। वहीं अबेकस नेहरू नगर से सारांश फर्स्ट रनर अप, आदित्य सिंह, इशांक, मनु साहू, तेजवर्धन सेकण्ड रनर अप रहे। उत्कर्ष, रेयांश, आर्नव कुमार, संस्कृति थर्ड रनर अप रहे। मोहम्मद हुसैन, गौरव कुमार फोर्थ रनर अप रहे। प्रेरणा सातपुते, उत्तम कुमार और हिमेश फिफ्थ रनर अप रहे। अडारी द्रौपथ, अवनी गौतम, वेदांत राजपूत, गुंजन रावत चैम्पियन बने। टेकेन्द्र साहू को चैम्पियन ऑफ चैम्पियन्स का खिताब दिया गया। इनके अलावा 32 बच्चों को मेरिट ट्राफी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि स्काई इंटरनेशनल एवं अबेकस नेहरू नगर के कुल 126 बच्चों ने इसमें हिस्सा लिया।

दुर्ग जिले के पात्र 190 प्रतिभागियों का पंजीकृत ट्रेड में टेस्ट 21 को

दुर्ग। भारत सरकार द्वारा आयोजित इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2025 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने एवं चरणबद्ध चयन प्रक्रिया को सुचारू, पारदर्शी तथा समयबद्ध रूप से संपादित करने हेतु राज्य द्वारा चयनित 19 ट्रेड/स्किल में पंजीकृत प्रतिभागियों का मूल्यांकन की जानी है। प्रथम चरण में जिला स्तर पर ऑनलाईन एमसीक्यू आधारित स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित कर प्रतिभागियों की प्रारंभिक योग्यता का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाएगा, जिससे द्वितीय चरण में राज्य स्तर पर व्यावहारिक / हैंड–वर्क स्किल टेस्ट हेतु उपयुक्त प्रतिभागियों का चयन किया जा सके। एसआईडीएच पोर्टल पर पंजीकृत दुर्ग जिले के पात्र 190 प्रतिभागियों का पंजीकृत ट्रेड में जिला स्तरीय प्रथम लेवल स्क्रीनिंग टेस्ट 21 जनवरी 2026 को शासकीय आई.टी.आई. दुर्ग पुलगांव चौक, जिला दुर्ग में समय प्रात: 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। प्रतिभागियों को परीक्षा हेतु मोबाईल एन्ड्रायड / स्मार्ट फोन लाना अनिवार्य है। प्रतिभागी परीक्षा आरंभ होने के 1 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में उपस्थित होंगें। जिला स्तरीय प्रथम लेवल स्क्रीनिंग टेस्ट के पहले समस्त प्रतिभागियों का एक साथ परीक्षा हेतु टेस्टिंग मंगलवार, 20 जनवरी 2026 को प्रात: 11 बजे आयोजित किया जायेगा।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

भारतीय रेल ने मौनी अमावस्या के दौरान 244 विशेष रेलगाड़ियां चलाईं

रायपुर। भारतीय रेल ने मौनी अमावस्या के दौरान रेल यातायात का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया और 3 जनवरी 2026 से देशभर में 244 विशेष रेलगाड़ियां चलाईं, जिससे श्रद्धालुओं की सुगम और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित हुई। उत्तरी रेलवे (एनआर) की 31, उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) की 158 और उत्तर पूर्वी रेलवे (एनईआर) की 55 रेलगाड़ियों द्वारा संचालित इन रेलगाड़ियां से लगभग 4.5 लाख यात्रियों ने यात्रा की। त्योहारों के दौरान परेशानी मुक्त और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए विशेष सेवाओं की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई और उनका प्रबंधन किया गया। प्रयागराज में 18 जनवरी को त्यौहार से जुड़ी सर्वाधिक भीड़-भाड़ रही, जिस दौरान 40 विशेष रेलगाड़ियां चलाई गईं, जिनमें 11 एनआर (राष्ट्रीय रेलवे), 22 एनसीआर (राष्ट्रीय रेलवे) और 7 एनईआर (उत्तर-पूर्वी क्षेत्र) की रेलगाड़ियां शामिल थीं, जिनसे लगभग 1 लाख यात्रियों ने यात्रा की। उल्लेखनीय रूप से ,सभी नियमित रेलगाड़ियां निर्धारित समय पर चलीं, जो भारतीय रेल की प्रभावी योजना और परिचालन दक्षता को दर्शाती हैं। इन विशेष रेलगाड़ियां का सफल संचालन त्यौहारों के सर्वाधिक व्यस्त समय में यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और निर्बाध सेवाएं प्रदान करने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रेलवे व्यापक स्तर पर यात्री आवागमन को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने के लिए प्रौद्योगिकी, संसाधन योजना निर्माण और विभिन्न जोनों के बीच समन्वय का निरंतर लाभ उठा रहा है।

राजीव युवा उत्थान योजनाः दस्तावेज सत्यापन शुरू

रायपुर। राजीव युवा उत्थान योजना नियमावली वर्ष 2019 के भाग (ए) अंतर्गत राज्य के अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग के प्रतिभावान अभ्यर्थी, जो वर्ष 2025-26 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी करना चाहते हैं, उनसे ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। जिसकी परीक्षा दिनांक 28.12.2025 को आयोजित की गई थी जिसकी मेरिट सूची विभागीय वेबसाइट पर अपलोड की गई है। मेरिट सूची के आधार पर दस्तावेज सत्यापन हेतु आमंत्रित अभ्यर्थियों की सूची एवं कार्यक्रम विवरण विभागीय वेबसाइट www.tribal.cg.gov.in पर देखा जा सकता है। दस्तावेज सत्यापन हेतु संबंधित अभ्यर्थियों को आवश्यक मूल अभिलेख सहित निर्धारित तिथि एवं समय पर मुख्यालय इन्द्रावती भवन, अटल नगर, नवा रायपुर स्थित मीटिंग हॉल कक्ष-04, तृतीय तल में उपस्थित होना अनिवार्य है। निर्धारित तिथि एवं समय पर अनुपस्थित अभ्यर्थियों अथवा अपूर्ण अभिलेख प्रस्तुत करने वालों पर विचार नहीं किया जाएगा न ही कोई दस्तावेज़ मान्य होगा।

कलेक्टर ने ली छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ की बैठक

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने 23 जनवरी को होने वाले राजधानी के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत - न्यूजीलैण्ड टी-20 मैच के आयोजन को लेकर छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के साथ बैठक ली। कलेक्टर ने कहा यह छत्तीसगढ़ के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन है। अतः मैदान में खिलाड़ियों के साथ दर्शकों के लिए आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित रहें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ऐसे आयोजन हमारे क्रिकेट स्टेडियम में हो रहे हैं इसलिए प्रशासन की ओर से एसओपी का अवश्य पालन किया जाए। यह तैयारी रखें कि आपदा के समय क्या किया जाए इसकी कार्ययोजना बनाएं।

शासकीय महाविद्यालय में उद्योग दृसंस्थान इन्क्यूबेशन एवं राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय वी.वाई.टी. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में उद्योग संस्थान इन्क्यूबेशन के अंतर्गत राष्ट्रीय स्टार्ट-अप दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में उद्यमिता, नवाचार एवं स्टार्ट-अप संस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को व्यवसाय प्रारंभ करने, वित्तीय सहायता, तकनीकी नवाचार एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। सुष्मिता बोस, प्रबंधक, एसबीआई एमएसएमई ऋण, भिलाई ने अपने संबोधन में एमएसएमई ऋण योजनाओं, वित्तीय अनुशासन तथा स्टार्ट-अप के लिए बैंकिंग सहयोग की विस्तृत जानकारी दी। दामोदर बहेरा, सहायक निदेशक, एमएसएमई , रायपुर ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के पंजीकरण, सब्सिडी एवं सरकारी सहायता योजनाओं पर प्रकाश डाला। अभिनव दास, प्रबंधक, एमएसएमई टूल रूम ने तकनीकी कौशल विकास, उपकरण निर्माण एवं नवाचार आधारित उत्पादन की संभावनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया। वहीं समीरन मित्रा, प्रोग्राम मैनेजर, टीआईएसएस इन्क्यूब फाउंडेशन ने स्टार्ट-अप इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप एवं व्यावसायिक नेटवर्किंग के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. के. सिंह ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने, रोजगार सृजनकर्ता बनने तथा नवाचार को सामाजिक आवश्यकता से जोड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं उद्यमिता समिति के समन्वयक डॉ. राकेश तिवारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में व्यावसायिक दृष्टिकोण एवं उद्यमशीलता विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

200 से अधिक पक्षी प्रजातियां दर्ज 11 राज्यों से पहुंचे प्रतिभागी

वन मंत्री केदार कश्यप ने बताया पक्षियों के संरक्षण हेतु महत्वपूर्ण पहल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य में छत्तीसगढ़ की पक्षी-विविधता का वैज्ञानिक आंकलन, नागरिक वैज्ञानिकों की भागीदारी को बढ़ावा देना और संरक्षण-उन्मुख दीर्घकालिक डाटा तैयार किया जा रहा है द्य बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य की पारिस्थितिकी इस अध्ययन के लिए विशेष रूप से अनुकूल मानी जा रही है। यहां घने वन, विस्तृत घासभूमियां, दलदली क्षेत्र और मिश्रित वुडलैंड जैसे विविध परिदृश्य मौजूद हैं, जिनमें प्रवासी और स्थानीय दोनों तरह की पक्षी प्रजातियां बड़ी संख्या में पाई जाती हैं।

बारनवापारा वन्यजीव अभ्यारण्य में 16 से 18 जनवरी 2026 तक आयोजित बर्ड सर्वे 2026 का सफलतापूर्वक समापन हुआ। देश के 11 राज्यों महाराष्ट्र, ओड़िशा, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, केरल और कर्नाटक से आए प्रतिभागियों ने इस सर्वे में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया। यह सर्वे केवल अभ्यारण्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आसपास के कोठारी, सोनाखान एवं देवपुर परिक्षेत्रों में भी आयोजित किया गया। सर्वे संचालन को सुचारु रखने के लिए प्रतिभागियों को 27 अलग-अलग स्थानों पर ठहराया गया। लगभग 100 लोग , जिसमें 70 प्रतिभागी, 12 वॉलंटियर्स, विशेषज्ञ एवं फोटोग्राफर्स शामिल हैं जो इस अभियान का हिस्सा बने। यह आयोजन Birds & Wildlife of Chhattisgarh के सहयोग और eBird के तकनीकी समर्थन के साथ किया गया। इससे सर्वे के दौरान एकत्र किए गए पक्षी संबंधी आंकड़े अंतरराष्ट्रीय डेटाबेस में दर्ज होंगे। प्रमुख विशेषज्ञों डॉ. हकीमुद्दीन एफ सैफी, डॉ. जागेश्वर वर्मा, मोहित साहू एवं श्री सोनू अरोरा के मार्गदर्शन में सर्वे को वैज्ञानिक विधि के अनुसार आगे बढ़ाया गया। अब तक प्राप्त प्रारंभिक डेटा के अनुसार सर्वे में 202 पक्षी प्रजातियों का रिकॉर्ड दर्ज किया गया है।

अंतिम संकलन के बाद यह संख्या और बढ़ने की संभावना है। विशेष रूप से बार-हेडेड गूज, ग्रे-हेडेड लैपविंग, पेरेग्रिन फाल्कन, ब्लू-कैप्ड रॉक थ्रश,यूरेशियन स्पैरोहॉक,ऑरेंज-ब्रेस्टेड ग्रीन पिजन जैसी उल्लेखनीय प्रजातियों का अवलोकन प्रतिभागियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

गौरतलब है कि यह आयोजन अधीक्षक बारनवापारा अभ्यारण्य कृषानू चन्द्राकार के नेतृत्व में संबंधित परिक्षेत्र अधिकारियों, प्रशिक्षु ए.सी. एफ, वनक्षेत्रपालों और वन विभाग के कर्मचारियों की सक्रिय टीम द्वारा सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराया गया।

डेटा से तैयार होंगी संरक्षण-केंद्रित कार्ययोजनाएँ

वनमंडलाधिकारी बलौदाबाजार धम्मशील गणवीर ने बताया कि बारनवापारा सेंट्रल छत्तीसगढ़ की समृद्ध जैव-विविधता का प्रतिनिधित्व करता है। इस सर्वे से प्राप्त आंकड़े भविष्य में अभ्यारण्य प्रबंधन एवं पक्षी संरक्षण योजनाओं के लिए अत्यंत उपयोगी होंगे।

वन मंत्री केदार कश्यप ने की पहल की सराहना

वन मंत्री केदार कश्यप ने बर्ड सर्वे 2026 को प्रदेश में जैव-विविधता संरक्षण, वन्यजीव प्रबंधन, और इको- पर्यटन विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि बारनवापारा जैसे महत्वपूर्ण अभ्यारण्य में वैज्ञानिक सर्वेक्षण न केवल संरक्षण कार्यों को मजबूत बनाते हैं, बल्कि प्रदेश में बर्डिंग कल्चर को बढ़ावा देकर स्थानीय लोगों के लिए प्रकृति-आधारित रोजगार और पर्यटन के नए अवसर भी तैयार करते हैं।

पीएम सूर्यघर योजना से दीपक पटेल को मिली मुफ्त बिजली

अब छत से मिल रही ऊर्जा और बिजली बिल हुआ शून्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरकार की योजनाएं जब ज़मीन पर असर दिखाती हैं, तो आम लोगों की ज़िंदगी आसान बनती है। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ऐसी ही एक पहल बनकर सामने आई है, जिससे अब नागरिक मुफ्त बिजली की ओर आगे बढ़ रहे है। इसी योजना के तहत कवर्धा के श्री दीपक पटेल का घर अब न सिर्फ रोशन हो रहा है, बल्कि खुद बिजली भी बना रहा है।

कबीरधाम जिले के कवर्धा शहर के गोकुलधाम, गली नंबर एक में रहने वाले दीपक पटेल का पहले हर महीने 1200 से 1800 रुपये तक बिजली बिल आता था। घरेलू उपकरण बढ़ने के साथ खर्च लगातार बढ़ रहा था, जिससे परिवार का बजट बिगड़ने लगा था। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जुड़ने के बाद यह समस्या अब पूरी तरह खत्म हो गई है। दीपक पटेल ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया है। इसके लिए करीब 2 लाख रुपये का खर्च आया, जिसमें केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये की सब्सिडी मिल चुकी है, जबकि राज्य सरकार से 30 हजार रुपये की सब्सिडी मिलनी शेष है। सरकारी सहायता से उनका आधे से अधिक खर्च कम हो गया। दीपक पटेल बताते हैं कि सोलर पैनल लगने के बाद इस महीने उनका बिजली बिल शून्य आया है। उन्होंने कहा कि घर की छत पर पहले जो जगह खाली रहती थी, आज वही जगह बिजली उत्पादन का साधन बन गई है। अब उनका घर अपनी जरूरत की बिजली खुद बना रहा है। योजना की जानकारी मिलते ही दीपक पटेल ने सरकारी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन किया। सभी आवश्यक दस्तावेज पूरे होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनके घर सोलर पैनल लगाया गया। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जिले में लगातार लोग जुड़ रहे हैं। कई घरों में सोलर पैनल लग चुके हैं, जिससे न केवल बिजली खर्च में कमी आ रही है, बल्कि लोग स्वच्छ और आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में भी कदम बढ़ा रहे हैं।

पिछड़ा वर्ग आयोग में विभिन्न शिकायतों की सुनवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में प्राप्त विभिन्न शिकायतों की सुनवाई आज आयोग के अध्यक्ष श्री नेहरू राम निषाद एवं उपाध्यक्ष श्रीमती चन्द्रकान्ति वर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। सुनवाई में आयोग के सचिव संकल्प साहू एवं अनुसंधान अधिकारी अनिता डेकाटे उपस्थित रहे।

सुनवाई के दौरान आयोग के समक्ष लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित पक्षों को निष्पक्ष रूप से अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया गया। आयोग के अध्यक्ष श्री निषाद द्वारा शिकायत कर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए नियमों एवं अधिनियमों के अनुरूप न्यायसंगत निर्णय हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। आवेदक चन्द्रकुमार सोनकर के समेकित वेतन वृद्धि रोके जाने संबंधी प्रकरण में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा वर्ष 2018-19 की वेतन वृद्धि प्रदान किए जाने का आश्वासन दिया गया। आवेदक श्री सुरेश कुमार यादव द्वारा प्रस्तुत सहायक प्राध्यापक भर्ती में आरक्षण उल्लंघन संबंधी शिकायत पर दोनों पक्षों का प्रतिपरीक्षण किया गया तथा शासन को विषयवार पद विज्ञापन जारी करने का सुझाव प्रेषित करने कहा। इसी प्रकार नरेश कुमार धीवर के प्रकरण में 60 दिवस के भीतर 1.80 लाख रूपए के भुगतान हेतु समझौतानामा निष्पादित किया गया। आवेदक रामशंकर साहू एवं शैलेश कुमार स्वर्णकार द्वारा प्रस्तुत शिकायत के संबंध में अनावेदक अधीक्षण अभियंता एस.एस. भूपल द्वारा उपस्थित होकर पक्ष रखा गया। अनावेदक द्वारा यह बताया गया कि दोनों आवेदक शासन के आदेशानुसार किए गए स्थानांतरण से असंतुष्ट होकर उनके विरुद्ध निराधार एवं बेबुनियाद शिकायत प्रस्तुत कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त आवेदक नरेन्द्र कुमार यादव एवं अन्य द्वारा बैकुंठ सीमेंट कंपनी के विरुद्ध प्रस्तुत प्रकरण में दोनों पक्षकारों की उपस्थिति में सुनवाई की गई। अनावेदक पक्ष द्वारा आगामी तिथि में कंपनी के ठेकेदारों एवं प्रतिनिधियों को बुलाकर पूछताछ किए जाने की जानकारी आयोग को दी गई। उपरांत संबंधित अधिकारियों को आयोग द्वारा लिए गए निर्णयों के शीघ्र एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आवश्यक निर्देश जारी किए गए।

आईआईटी भिलाई में 'जेंडर मोडालिटीज ऑफ रिमेम्बरिंग इन साउथ एशियन लिटरेचर' के राष्ट्रीय सम्मेलन का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई के लिबरल आर्ट्स विभाग द्वारा 15ङ्क16 जनवरी 2026 को नालंदा लेक्चर हॉल में 'जेंडर मोडालिटीज़ ऑफ़ रिमेम्बरिंग इन साउथ एशियन लिटरेचर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य दक्षिण एशियाई सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिप्रेक्ष्य में स्मृति को एक लैंगिक और सन्निहित अभ्यास के रूप में समझना तथा इस क्षेत्र में हो रहे अकादमिक शोध को साझा करने का मंच प्रदान करना था। देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से संकाय सदस्यों और शोधार्थियों ने सम्मेलन में सहभागिता की।

सम्मेलन में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रोफेसर सिमी मल्होत्रा ने अपने व्याख्यान में भारत में महिला आंदोलनों की दो शताब्दियों को याद करना: स्मृति और नारीवादी इतिहासलेखन का पुनर्विचार' विषय पर विमर्श किया। उन्होंने स्मृति के दृष्टिकोण से नारीवादी इतिहास लेखन की पड़ताल करते हुए पिछले दो सौ वर्षों में महिला आंदोलनों के विकास को रेखांकित किया और दक्षिण एशिया में लैंगिक इतिहास के लेखन में स्मरण की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

सम्मेलन के दूसरे दिन सेंट मीरा कॉलेज फॉर गर्ल्स, पुणे की उपप्राचार्य डॉ. स्नोबर सतारावाला ने 'रिमेम्बरिंग द मार्जिन: जेंडर, माइनॉरिटी मेमोरी और साउथ एशियन लिटरेचर में प्रतिनिधित्व की राजनीति' विषय पर अपने व्याख्यान में उन्होंने सिनेमा, साहित्यिक ग्रंथों और मौखिक आख्यानों के माध्यम से यह विश्लेषण किया कि किस प्रकार अल्पसंख्यक समुदायों की स्मृतियाँ संरक्षित या उपेक्षित की जाती हैं, तथा हाशिए के इतिहासों को पुनः सामने लाने में साहित्य की भूमिका को रेखांकित किया।

सम्मेलन के दौरान कुल पाँच विषयगत पैनलों में गहन अकादमिक विमर्श हुआ। उद्घाटन पैनल में लैंगिक आवाज़ों और स्वदेशी सौंदर्यशास्त्र पर चर्चा करते हुए लोक एवं आदिवासी कला परंपराओं को स्मृति के जीवंत और सन्निहित अभिलेखागार के रूप में देखा गया।

इसके पश्चात हिंसा के लैंगिक प्रति-आख्यानों पर केंद्रित पैनल में यह विश्लेषण किया गया कि साहित्य और सांस्कृतिक ग्रंथ आधिकारिक इतिहासलेखन से इतर अस्तित्व, प्रतिरोध और भावात्मक स्मृति को किस प्रकार अभिव्यक्त करते हैं।तीसरे पैनल में भेद्यता, जाति और पहचान के प्रश्नों पर विमर्श हुआ, जहाँ साहित्यिक साक्ष्यों और कथात्मक स्मृति में जाति तथा लिंग के प्रतिच्छेदन को रेखांकित किया गया। चौथे पैनल में रिश्तेदारी, घरेलूता और राष्ट्रीय स्मृति के संदर्भ में मातृ विरासत, रोज़मर्रा के स्थानों और कर्तव्य की लैंगिक धारणाओं का विश्लेषण किया गया।

तेंदूपत्ता संग्राहकों में खुशियों की लहर, 12.40 लाख वनवासियों को मिला लाभ

छत्तीसगढ़ सरकार ने फिर शुरू की चरणपादुका योजना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को सरकार द्वारा कई योजनाओं के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा मिलती है, जिसमें संग्रहण लाभ का 80त्न हिस्सा, बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सहायता, बीमा कवर (दुर्घटना मृत्यु या विकलांगता पर), और विभिन्न वनोपज पर न्यूनतम समर्थन मूल्य शामिल हैं, जिससे उनकी आय और जीवन स्तर में सुधार होता है द्य छत्तीसगढ़ में 5500 सौ रुपए प्रति मानक बोरा पारिश्रमिक और राजमोहिनी देवी योजना के तहत लाभ दिए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार ने वनवासियों और तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में एक बड़ा कदम उठाते हुए चरणपादुका योजना को पुनः शुरू किया है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बंद की गई यह जनहितैषी योजना अब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और उनकी संवेदनशीलता के कारण फिर से शुरू की गई है। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के अनुरूप गरीब हितैषी शासन की स्पष्ट तस्वीर पेश करता है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में वन विभाग ने इस योजना को तेज गति और पारदर्शिता के साथ धरातल पर लागू किया है।

वर्ष 2024-25 में प्रदेश के 12.40 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की महिला मुखिया को उच्च गुणवत्ता वाली चरणपादुकाएं प्रदान की गईं। इसके लिए सरकार ने 40 करोड़ रुपये व्यय किए। इस कदम से जंगलों में कठिन परिस्थितियों में कार्य करने वाली महिलाओं को सुरक्षा और सुविधा दोनों मिली हैं।

वर्ष 2026 में पुरुष संग्राहकों को भी मिलेगा लाभ

वन मंत्री कश्यप के विशेष प्रयासों से सरकार ने इस योजना का विस्तार करते हुए वर्ष 2026 में पुरुष संग्राहकों को भी चरणपादुका प्रदान करने का निर्णय लिया है। इसके लिए 50 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। यह निर्णय संग्राहक परिवारों के लिए ऐतिहासिक और लाभकारी सिद्ध होगा। सरकार ने चरणपादुकाओं की खरीदी जेम पोर्टल के माध्यम से की है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त रहे। तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को वितरित की जा रही चरणपादुकाएं उच्च गुणवत्ता पूर्ण हैं और उन पर एक वर्ष की वारंटी भी दी जा रही है। यह सरकार की गुणवत्ता और लाभार्थी हितों के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। वनांचल क्षेत्रों में उमंग, सुरक्षा और सम्मान की भावना मजबूत मुख्यमंत्री साय और वन मंत्री कश्यप के इस निर्णय से वनांचल क्षेत्रों में खुशी और उत्साह का माहौल है। चरणपादुका योजना सीधे उन मेहनतकश तेंदूपत्ता संग्राहकों तक राहत पहुँचा रही है, जो कठिन परिस्थितियों में जंगलों में कार्य करते हैं और अपनी आजीविका जुटाते हैं।

यह योजना न केवल सुरक्षा और सुविधा प्रदान कर रही है, बल्कि वनवासियों को सम्मान और आत्मविश्वास भी दे रही है जो सुशासन और अंत्योदय की दिशा में राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल बन गई है।

गांधी टॉक्स में काम करना चुनौतीपूर्ण और रोमांचक : अदिति राव हैदरी

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी अपनी अपकमिंग साइलेंट फिल्म गांधी टॉक्स' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। इस बीच उन्होंने बताया कि फिल्म में काम करने का अनुभव चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों रहा। उन्होंने फिल्म में विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने के अनुभव को शानदार बताया। किशोर पांडुरंग बेलेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अदिति ने कहा कि यह उनके लिए पहली बार विजय सेतुपति के साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला। हालांकि पहले भी कई प्रोजेक्ट्स में दोनों साथ आने वाले थे, लेकिन किसी न किसी कारण से वे पूरे नहीं हो पाए।

अदिति ने बताया, हम कुछ फिल्मों में लगभग साथ काम करने वाले थे, लेकिन हर बार कुछ न कुछ हो गया और बात आगे नहीं बढ़ पाई। यह जिंक्स टूटना ही था। मुझे खुशी है कि ये एक बहुत अलग और खास फिल्म गांधी टॉक्स' के साथ पूरा हुआ।

उन्होंने इस फिल्म को अपनी जिंदगी के सबसे अनोखे प्रोजेक्ट में से एक करार दिया। फिल्म पूरी तरह साइलेंट है, जिसमें कोई डायलॉग नहीं हैं। अदिति ने कहा, इस फिल्म में आप बस शांत रहते हैं, देखते हैं और महसूस करते हैं। बिना डायलॉग के भी भावनाएं जाहिर करनी होती हैं, यही इसकी खूबसूरती है। यह मेरे लिए जितना चुनौतीपूर्ण था, उतनी ही रोमांचक भी।

अदिति हमेशा गहरे, सच्चे और अर्थपूर्ण किरदारों वाली कहानियां चुनती हैं। उन्होंने कहा कि मेरे अंदर का पांच साल का बच्चा आज भी जिंदा है, जो सपने देखता है, उन पर भरोसा करता है और उन्हें पूरा करने की कोशिश करता है। यही सकारात्मक सोच उन्हें सही स्क्रिप्ट्स और निर्देशकों का इंतजार करने की ताकत देती है।

उन्होंने कहा, मुझे अच्छी स्क्रिप्ट्स अक्सर नहीं मिलतीं, लेकिन मैं उनका इंतजार करती हूं और उन निर्देशकों का भी, जिनके साथ मैं काम करना चाहती हूं। मैं शिकायत नहीं करती, क्योंकि वो मौके आखिरकार आते ही हैं।

फिल्म में अदिति राव हैदरी के साथ विजय सेतुपति, अरविंद स्वामी और सिद्धार्थ जाधव मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि फिल्म के संगीत को एआर रहमान ने तैयार किया है। फिल्म 30 जनवरी को रिलीज होगी।

गांधी टॉक्स' के अलावा अदिति की एक और रोमांचक प्रोजेक्ट इम्तियाज अली की ओ साथी रे' है, जो एक रोमांटिक ड्रामा सीरीज है। इसमें उनके साथ अर्जुन रामपाल और अविनाश तिवारी नजर आएंगे। यह सीरीज नेटफिलक्स पर आने वाली है और समकालीन समय में पुरानी भावनाओं वाले प्यार की कहानी कहती है।

सिकंदर' की असफलता पर रश्मिका मंदाना ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'जो हुआ वो बिल्कुल...'

रश्मिका मंदाना ने एआर मुरुगाडोस द्वारा निर्देशित फिल्म 'सिकंदर' में सलमान खान के साथ पहली बार स्क्रीन शेयर की थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में रश्मिका ने सिकंदर की असफलता के बारे में खुलकर बात की और इसके कम बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन के पीछे का असली कारण बताया।

रश्मिका मंदाना ने 2025 में 'छावा', 'द गर्लफ्रेंड', और 'थामा' जैसी हिट फिल्में दीं, जिससे वह और सलमान खान दोनों काफी सफल हुए। लेकिन एक फिल्म ऐसी भी थी, जिसने दोनों का दिल तोड़ दिया। यह फिल्म थी 'सिकंदर', जिसे एआर मुरुगादोस ने बनाया। रश्मिका इसमें सलमान खान के साथ मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म ईद 2025 में रिलीज हुई, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई। 'सिकंदर' की असफलता पर रश्मिका ने अपनी राय पेश की है।

'सिकंदर' की असफलता पर रश्मिका की दो टूक

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म 'सिकंदर' फ्लॉप होने का मुख्य कारण क्या था। उन्होंने कहा कि जब उन्हें 'सिकंदर' की स्क्रिप्ट सुनाई गई थी, तब वह बहुत अच्छी लगी, लेकिन बाद में फिल्म बनते समय कई चीजें बदल गईं, जैसे कि अभिनय, एडिटिंग और रिलीज के समय के हिसाब से कहानी अलग हो गई। रश्मिका ने कहा, 'फिल्मों में ऐसा आमतौर पर होता है। जो सुना जाता है, वह अलग होता है और बनने के बाद और अलग हो जाता है।'

रश्मिका के आने वाले प्रोजेक्ट्स

अब रश्मिका शाहिद कपूर और कृति सेनन के साथ 'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे तेलुगु फिल्म 'मैसा' में भी काम कर रही हैं। इसके अलावा, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रश्मिका फरवरी 2026 में अपने बॉयफ्रेंड विजय देवरकोंडा से शादी करने वाली हैं, लेकिन इसकी अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अजय देवगन ने की एआई निर्मित फिल्म 'बाल तन्हाजी' की घोषणा, नई तरह से देखने को मिलेगी कहानी

अजय देवगन साल 2020 में आई अपनी सुपरहिट फिल्म 'तान्हाजी: द अनंसग' वॉरियर की कहानी एक बार फिर लेकर आ रहे हैं। हालांकि, इस बार ये कहानी एक नए अंदाज में पेश की जाएगी। क्योंकि अजय देवगन और निर्माता दानिश देवगन ने अपने लेंस वॉल्ट स्टूडियोज (एलवीएस) के तहत आई निर्मित फिल्म 'बाल तन्हाजी' की घोषणा की है।

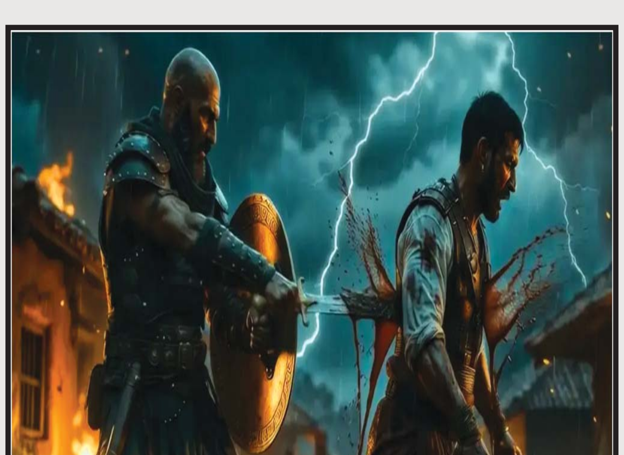

अनछुए पहलुओं को दिखाएगी फिल्म

2020 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'तन्हाजी: द अनसंग वॉरियर' की ही दुनिया पर आधारित 'बाल तन्हाजी' इस फिल्म की दुनिया को अनछुए पहलुओं की ओर ले जाएगी। यह एक एआई फिल्म होगी। यह कहानी को एक ऐसी पीढ़ी के लिए नए सिरे से प्रस्तुत करेगी, जो सिनेमाघरों से परे कहानियों में रुचि रखती है।

इस मौके पर अजय देवगन ने कहा कि यह फिल्म स्टूडियो के भविष्य के लिए तैयार प्रोजेक्ट्स के निर्माण की दिशा में पहली शुरुआत है। लेंस वॉल्ट स्टूडियो की स्थापना कहानी कहने की पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़ने के लिए की गई थी। हमारा ध्यान उन फॉर्मेट और मीडियम पर है, जो अभी तक काफी हद तक अनछुए हैं। 'बाल तन्हाजी' भविष्य के लिए तैयार कंटेंट निर्माण की इस यात्रा की शुरुआत है।

मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी है 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर'

साल 2020 में रिलीज हुई फिल्म 'तान्हाजी: द अनसंग वॉरियर' का निर्देशन ओम राउत ने किया है। जबकि फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 17वीं सदी के मराठा योद्धा सूबेदार तानाजी मालुसरे की कहानी पर आधारित है। फिल्म में काजोल ने तान्हाजी की पत्नी सावित्रीबाई की भूमिका निभाई है। जबकि सैफअली खान फिल्म में निगेटिव किरदार में नजर आए हैं। उन्होंने महाराजा उदयभान सिंह राठौर की भूमिका निभाई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी।

लीजा रे ने आखिर क्यों बनाई थी बॉलीवुड से दूरी 25 साल बाद एक्ट्रेस ने खोला राज

बॉलीवुड अभिनेत्री लीजा रे ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की और फिर 1994 में फिल्म हंसते खेलते से एक्टिंग में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया, जिनमें कसूर, बॉलीवुड/हॉलीवुड और 2005 में ऑस्कर नामांकित वॉटर शामिल हैं। उनकी इमेज हमेशा ग्लैमरस और दमदार अदाकारा की रही, लेकिन 2001 में अपने करियर के सबसे ऊंचे मुकाम पर उन्होंने अचानक बॉलीवुड से दूरी बना ली। उन्होंने अब अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि आखिर उन्होंने ऐसा फैसला क्यों लिया था।

इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए लीजा रे ने कहा कि वह खुद को इंडस्ट्री में उस तरह नहीं देख पा रही थीं, जैसे वह वास्तव में थीं। उन्होंने कहा, मुझे सिर्फ सुंदर मॉडल के रूप में देखा जा रहा था। इन सब में उनकी असली आवाज और व्यक्तित्व दबा दिया गया था। इस दौरान मेरे पास कई फिल्मों के ऑफर थे, लेकिन मैंने प्रसिद्धि के बजाय खुद को जानने और समझने के लिए समय देना चुना।

उन्होंने कहा, अपने ब्रेक के दौरान मैं लंदन चली गई और वहां एक कॉलेज में रहकर शेक्सपियर और कविता का अध्ययन किया। मैंने म्यूजियम और कला के बीच समय बिताया और बौद्ध धर्म-योग के बारे में जाना। मैंने लोगों की नजरों में दिखने के बजाय अपना जीवन सीखने, आत्मा और जिज्ञासा पर आधारित बनाने की कोशिश की। इस गहन आत्म-खोज के बाद लीजा ने इंडिपेंडेंट फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया।

उन्होंने कहा, उस वक्त फिल्में आमतौर पर कम बजट में बनती थीं, लेकिन मेरा मकसद केवल पैसा कमाना नहीं था। मैं विश्वास और उम्मीद के साथ फिल्में बनाती थीं। यह मेरे लिए खुद को जानने और समझने का एक अवसर था। मेरी फिल्मों में हल्की-फुल्की और गंभीर दोनों प्रकार की फिल्में शामिल थीं। इनमें हर किरदार के माध्यम से मुझे अपने व्यक्तित्व की खोज करने में मजा आया।

पुरानी तस्वीरों और फिल्मों के बारे में बात करते हुए लीजा ने कहा, भले ही वे मुझे अपनी पुरानी सुंदरता की याद दिलाती हैं, लेकिन मेरा असली मकसद कभी भी फेम या सुंदर दिखने का नहीं था। मेरे लिए असली काम जीवन में गहराई लाने, अर्थ खोजने और लोगों की बाहरी उम्मीदों का बोझ हटाने का था। समय ने मुझे मिटाया नहीं, बल्कि मेरे असली होने को उजागर किया। यह सफर मेरे लिए अपने आप को समझने और अपनाने का अनुभव साबित हुआ।

सीधे त्वचा पर ही लगा लेते हैं परफ्यूम? ऐसे करने से हो सकती हैं ये परेशानियां

पुरुष हों या महिलाएं, परफ्यूम हर किसी के श्रृंगार का हिस्सा रहता है। इसे लगाने से न केवल शरीर महक उठता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ता है। परफ्यूम को हमेशा कपड़ों पर लगाया जाता है। हालांकि, कई लोग इसे सीधे त्वचा पर लगाने की गलती कर बैठते हैं। ऐसा करने से आपको कई परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। आज के फैशन टिप्स में हम आपको त्वचा पर परफ्यूम लगाने के नुकसानों के बारे में बताएंगे।

एलर्जी

परफ्यूम कई तरह के रसायनों को मिलाकर बनाए जाते हैं। जब ये रसायन त्वचा के संपर्क में आते हैं तो एलर्जी पैदा होने का खतरा रहता है। परफ्यूम में शामिल लिनलू, लिमोनीन और बेंजाइल अल्कोहल जैसे रसायनों की वजह से लाल चक्कते होने लगते हैं। कुछ लोगों को इसके कारण सूजन, मुंहासे, लालपन और खुजली से भी जूझना पड़ सकता है। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो आपको एलर्जी का ज्यादा खतरा हो सकता है।

त्वचा का रंग बदलना

परफ्यूम में मौजूद रसायन एक बड़ी समस्या का कारण भी बन सकते हैं। आप जिस हिस्से पर परफ्यूम छिड़केंगे, उसका रंग भी बदल सकता है। परफ्यूम सूरज की रोशनी के साथ मिलकर त्वचा को ज्यादा संवेदनशील बना सकता है। इसके चलते त्वचा का रंग गहरा हो सकता है या काले धब्बे हो सकते हैं। इतना ही नहीं, इसकी वजह से कुछ लोगों को सनबर्न की परेशानी भी होने का डर रहता है।

हार्मोनल असंतुलन

कई स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि परफ्यूम हमारे हार्मोन के लिए अच्छे नहीं होते। इसकी वजह से लोगों को हार्मोनल असंतुलन का सामना करना पड़ सकता है। कई परफ्यूम में थैलेट्स, पैराबेंस और सिंथेटिक मस्क जैसे एंडोक्राइन डिसरप्टिंग केमिकल्स होते हैं। ये हार्मोन की नकल करते हैं या उन्हें बाधित कर देते हैं। ऐसे में प्रजनन, चयापचय और विकास से जुड़ी समस्याएं खड़ी हो जाती हैं। इन रसायनों की वजह से महिलाओं के पीरियड्स देर से आ सकते हैं।

सिरदर्द

हम में से कई लोगों को परफ्यूम की वजह से सिरदर्द होने लगता है। अगर इसे सीधे त्वचा पर लगा लिया जाए तो और भी मुश्किल होती है। यह परफ्यूम में मौजूद रसायन की वजह से होता है, जो सूजन पैदा करते हैं या तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करते हैं। इसके कारण सिर में असहनीय दर्द होने लगता है, चक्कर आने लगता है या लोग बेहोश भी हो जाते हैं। साथ ही इससे मूड भी खराब हो जाता है।

श्वसन संबंधी समस्याएं

सीधे त्वचा पर परफ्यूम छिड़कना श्वसन संबंधी समस्यों की वजह बन सकता है। खासकर अस्थमा या एलर्जी से जूझ रहे लोगों को ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ सकती है। इससे खांसी आने लगती है या नाक बंद हो जाती है। अस्थमा के मरीजों को परफ्यूम के संपर्क में आने से अस्थमा का दौरा भी पड़ सकता है। कुछ लोगों को खुशबू वाले घटकों से सच में एलर्जी होती है और परफ्यूम के कारण उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो सकती है।

खास खबर

प्लेसमेन्ट कैंप का आयोजन 21 जनवरी को

कोरबा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोरबा मेंप्लेसमेन्ट केंप का आयोजन 21 जनवरी को प्रात: 11 बजे किया जा रहा है। प्लेसमेंट के माध्यम नियोजकपरिश्रम रिसोर्स प्राईवेट लिमिटेड गुरूग्राम, हरियाणा, एवं पेरेन्नियल टेक्नोलॉजी प्राईवेट लिमिटेड बावधान, पुणेद्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। रिक्तियों का विवरण इस प्रकार है -मीटर इंस्टालर - 80 पद, डी.जी.ऑपरेटर - 10 पद, डीवाटरिंग- 10 पद शामिल है। शैक्षणिक योग्यता आई.टी.आई डीजल मैकेनिक, आई.टी.आई. इलेक्ट्रिशियन, आई.टी.आई. (सभी ट्रेड) एवं नॉन आई.टी.आई. शामिल है। आयुसीमा-18-40 वर्ष तक एवं वेतनमान रूपये-15,000 से 20,000 तक, नियोजक द्वारा निर्धारित किया गया है। उक्त रिक्त पद कोरबा एवं एस.ई.सी.एल बिलासपुर (छ0ग0) के लिए है। इच्छुक आवेदक (केवल पुरूष) उक्त तिथि को सुबह 11.00 बजे से 2.00 बजे तक उपस्थित होकर अपने योग्यतानुसार रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए रोजगार कार्यालय के दूरभाष नं. - 07759-222069 में संपर्क किया जा सकता है।

स्वास्थ्य विभाग में 525 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया जारी

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और युवाओं को रोजगार प्रदान करने की दिशा में संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएं द्वारा तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के अंतर्गत कुल 525 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। बस्तर जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने इस संबंध में विस्तृत सूचना जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि व्यापमं द्वारा आयोजित स्टाफनर्स, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक (पुरुष व महिला), वार्ड बॉय और वार्ड आया जैसे पदों की परीक्षाओं के नतीजे आने के बाद अब कोरोना काल में सेवाएं देने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को विशेष प्राथमिकता दी जाएगी। विभाग द्वारा जारी निर्देशों के मुताबिक, कोरोना वैश्विक महामारी के कठिन दौर में प्रदेश की शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में लगातार छह माह तक सेवा देने वाले अस्थाई कर्मियों को चयन प्रक्रिया में बोनस अंक प्रदान किए जाएंगे। इस लाभ को प्राप्त करने के लिए अभ्यर्थियों को अपना अनुभव प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने केन्द्रीय जेल का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। दिनांक 17.01.2026 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी द्वारा केन्द्रीय जेल जगदलपुर का व्यापक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का उद्देश्य जेल में निरूद्ध बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, उनके मानवाधिकारों की स्थिति तथा जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली का प्रत्यक्ष अवलोकन करना रहा। निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश महोदया ने जेल परिसर के विभिन्न हिस्सों का भ्रमण किया। उन्होंने बंदी बैरकों, भोजनालय, रसोईघर, चिकित्सालय, महिला एवं पुरुष वार्ड, स्वच्छता व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधकों तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं का गहनता से निरीक्षण किया। साथ ही न्यायाधीश ने निरीक्षण के दौरान बंदियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनसे संवाद किया।

रायपुर साहित्य उत्सव 2026: छत्तीसगढ़ की साहित्यिक चेतना का राष्ट्रीय उत्सव, पुरखौती मुक्तांगन में तीन दिवसीय आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की समृद्ध साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित करने के उद्देश्य से रायपुर साहित्य उत्सव 2026 का भव्य आयोजन 23, 24 एवं 25 जनवरी 2026 को नवा रायपुर अटल नगर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में किया जा रहा है। तीन दिवसीय यह आयोजन साहित्य, संस्कृति और विचार विमर्श का एक सशक्त मंच बनेगा, जिसमें देश-प्रदेश के साहित्य प्रेमी, लेखक, विचारक और पाठक बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे।

इस तीन दिवसीय साहित्य उत्सव में देश एवं प्रदेश के लगभग 120 ख्याति प्राप्त साहित्यकारों का आगमन होगा। आयोजन के दौरान कुल 42 साहित्यिक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें समकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और बौद्धिक विषयों पर गहन विमर्श किया जाएगा। साहित्य उत्सव के सत्रों में बौद्धिक विमर्श, भारतीय ज्ञान परम्परा, संविधान, सिनेमा और समाज, देश में नव जागरण, छत्तीसगढ़ में साहित्य, इतिहास के झरौखे में साहित्य, शैक्षणिक संस्थानों में भाषा और साहित्य का स्तर जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा, जो वर्तमान समय की बौद्धिक आवश्यकताओं को संबोधित करेंगे।

इसके अतिरिक्त नाट्य शास्त्र एवं कला परम्परा, साहित्य और राजनीति, समकालीन महिला लेखन, जनजातीय साहित्य, छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, पर्यटन, पत्रकारिता और शासन जैसे विषयों पर भी विशद परिचर्चाएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही प्रकाशकों की चुनौतियां, डिजिटल युग में लेखन और पाठक जैसे समसामयिक विषय भी विमर्श के केंद्र में रहेंगे। आयोजन की तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं और प्रशासन द्वारा 21 जनवरी 2026 तक सभी व्यवस्थाएं पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। आयोजन स्थल पर मंच, पंडाल, तकनीकी व्यवस्थाएं, साज-सज्जा और अन्य आवश्यक सुविधाएं तेजी से अंतिम रूप ले रही हैं।

साहित्य उत्सव का शुभारंभ 23 जनवरी 2026 को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश द्वारा किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा वर्धा अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. कुमुद शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। साहित्य उत्सव का समापन 25 जनवरी 2026 को होगा, जिसमें राज्य सरकार के मंत्रिगणों के साथ-साथ डॉ. सच्चिदानंद जोशी एवं डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी जैसी प्रतिष्ठित साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विभूतियां विशेष रूप से शामिल होंगी। साहित्य उत्सव के दौरान 23 जनवरी को सायंकाल 7 बजे से प्रख्यात साहित्यकार एवं रंगमंच कलाकार मनोज जोशी द्वारा चर्चित 'चाणक्य' नाटक का विशेष मंचन किया जाएगा, जो आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। इसके साथ ही महाभारत धारावाहिक में भगवान श्रीकृष्ण की भूमिका निभाने वाले नीतीश भारद्वाज तथा सिनेमा जगत के जाने-माने निर्माता-निर्देशक अनुराग बसु भी साहित्य उत्सव में सहभागिता करेंगे। 24 जनवरी 2026 को देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में विशेष काव्य-पाठ का आयोजन किया जाएगा।

साहित्यकारों की परिचर्चाओं एवं सत्रों के लिए आयोजन स्थल पर चार मंडप बनाए गए हैं। मुख्य मंडप का नामकरण ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित छत्तीसगढ़ के एकमात्र साहित्यकार स्व. श्री विनोद कुमार शुक्ल के नाम पर किया गया है।

दूसरे मंडप का नामकरण पं. श्यामलाल चतुर्वेदी, तीसरे मंडप का नामकरण बस्तर के गौरव साहित्यकार लाला जगदलपुरी तथा चौथे मंडप का नामकरण साहित्यकार अनिरुद्ध नीरव के नाम पर किया गया है। आयोजन स्थल पर विशाल पुस्तक मेला भी लगाया जाएगा, जहां प्रभात प्रकाशन, राजकमल प्रकाशन, सरस्वती बुक, यशस्वी प्रकाशन, हिन्द युग्म प्रकाशन, राजपाल प्रकाशन सहित लगभग 15 राष्ट्रीय स्तर के प्रकाशक अपनी पुस्तकों का प्रदर्शन एवं विक्रय करेंगे।

इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के साहित्यकारों एवं स्कूली विद्यार्थियों द्वारा लिखी गई पुस्तकों को भी प्रदर्शित किया जाएगा तथा साहित्यकारों द्वारा लिखी गई नई पुस्तकों के विमोचन की भी समुचित व्यवस्था की गई है। आयोजन स्थल पर छत्तीसगढ़ के 25 वर्षों में हुए विकास को प्रदर्शित करने वाली आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। स्थानीय युवाओं एवं लोक कलाकारों के लिए टेलेंट ज़ोन बनाया गया है, जहां काव्य-पाठ, कहानी-पाठ, लोकनृत्य एवं गीत-संगीत की प्रस्तुतियां होंगी। साथ ही प्रतिदिन क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। पुरखौती मुक्तांगन तक पुराने रायपुर से आने-जाने के लिए प्रशासन द्वारा लगभग 20 नि:शुल्क बसों का संचालन रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, टाटीबंध, तेलीबांधा सहित छह मार्गों पर किया जाएगा। साहित्य उत्सव के सफल आयोजन हेतु लगभग 500 अधिकारी-कर्मचारी व्यवस्थाओं में जुटे हैं। आयोजन स्थल पर छत्तीसगढ़ी व्यंजनों सहित स्थानीय खान-पान के लिए लगभग 15 फूड स्टॉल लगाए जा रहे हैं। कार्यक्रम स्थल में पेयजल, स्वच्छता एवं शौचालय जैसी सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

टमाटर की बेहतरीन फसल से किसान त्रवेंद्र साहू की बदली किस्मत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टमाटर की खेती किसानों के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो रही है, जिससे उन्हें कम लागत में अच्छा मुनाफा (लाखों में) मिल रहा है, क्योंकि इसकी बाजार में साल भर मांग रहती है और आधुनिक तकनीक (जैसे मल्चिंग और ड्रिप सिंचाई) से पैदावार भी बंपर होती है, जिससे धान जैसी पारंपरिक फसलों की तुलना में किसानों की आय में काफी वृद्धि हुई है और वे आर्थिक रूप से मजबूत हुए हैं।

साथ ही सेहत के लिए भी यह सब्जी कई बीमारियों में लाभकारी है। किसान त्रवेंद्र साहू ने बताया कि अधिक मात्रा में टमाटर का उत्पादन होने पर नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश एवं अन्य राज्यों तथा राजनांदगांव एवं लोकल मार्केट में बिक्री के लिए भेज रहे हैं। अब तक 1000 कैरेट टमाटर की बिक्री कर चुके हैं। उन्होंने पूरी वेरायटी का टमाटर लगाया है। टमाटर की बहुत डिमांड रही और बहुत अच्छी कीमत मिली। अभी भी टमाटर की तोड़ाई का कार्य जारी है। मार्च तक पर्याप्त टमाटर मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि शासन की किसान हितैषी योजनाओं से प्रेरित होकर धान के बदले टमाटर की फसल लेने से बहुत फायदा हुआ है। किसान कब खेती-किसानी के लिए नवीन तकनीक का उपयोग कर रहे हैं, जिससे कार्य में आसानी हुई है।

धान के बदले उद्यानिकी फसल लेने तथा टमाटर की बेहतरीन फसल होने से किसान श्री त्रवेंद्र साहू की किस्मत बदल गई है। राजनांदगांव जिले के छुरिया विकासखंड के ग्राम लाममेटा के किसान श्री त्रवेंद्र साहू को शासन की राष्ट्रीय बागवानी मिशन से लगभग 2 लाख 50 हजार रूपए का अनुदान मिला। जिससे उन्होंने धान की फसल के बदले 1.5 एकड़ में मल्चिंग पद्धति से टमाटर की खेती की। प्राप्त राशि से उन्हें मदद मिली और उद्यानिकी विभाग के सहयोग से ड्रिप, टमाटर के पौधे, खाद, दवाई पर व्यय किए।

इस वर्ष टमाटर की बम्पर पैदावार होने से उन्हें बहुत फायदा हुआ। किसान त्रवेंद्र साहू ने बताया कि उन्होंने अब तक लगभग 10 लाख रूपए के टमाटर की बिक्री की है, जिसमें उन्हें लगभग 7 लाख रूपए का शुद्ध मुनाफा हुआ है। उन्होंने बताया कि धान के बदले टमाटर की खेती उनके लिए बहुत फायदेमंद रही है। शासन की योजनाओं से लाभ मिलने से वे आर्थिक दृष्टिकोण से समृद्ध हुए हैं। सरकार द्वारा सब्जी एवं अन्य फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहन एवं सहायता राशि दी जा रही है।

जिले के 69 ग्रामों में 'स्वास्थ्य मित्र' की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर जिले में नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 69 ग्रामों में 'स्वास्थ्य मित्र' की अस्थायी नियुक्ति की जाएगी। इस संबंध में कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला बीजापुर द्वारा विज्ञापन जारी कर आवेदन आमंत्रित किया गया है। जारी सूचना के अनुसार प्रत्येक चयनित ग्राम में एक-एक स्वास्थ्य मित्र की नियुक्ति की जाएगी।

इस पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। चयनित अभ्यर्थियों को 5000 प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा, साथ ही कार्य आधारित अधिकतम 3000 तक प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की जाएगी।आवेदन की प्रक्रिया 16 जनवरी 2026 से 29 जनवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी शाम 5 बजे तक केवल स्पीड पोस्ट अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अन्य किसी माध्यम से प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। चयन में संबंधित ग्राम के निवासी अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। यदि किसी ग्राम से पात्र अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं होता है, तो समीपस्थ ग्राम के आवेदकों पर विचार किया जाएगा। चयन प्रक्रिया मेरिट क्रम के आधार पर होगी।

विधायक भावना बोहरा ने 07 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरण किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। कबीरधाम जिले के ग्राम रणवीरपुर में पंडरिया विधानसभा क्षेत्र की विधायक भावना बोहरा द्वारा 07 दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान 03 दिव्यांगजनों को बैटरी चालित मोटराइज्ड ट्रायसायकिल, 02 को सामान्य ट्रायसायकिल, 1 को व्हीलचेयर तथा 1 दिव्यांगजन को बैसाखी प्रदान की गई। इन उपकरणों से दिव्यांगजनों की गतिशीलता में वृद्धि होगी तथा वे आत्मनिर्भर होकर अपने दैनिक कार्यों को अधिक सुगमता से कर सकेंगे। विधायक भावना बोहरा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और उनके जीवन स्तर को उन्नत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा एवं समावेशी विकास के उद्देश्य से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन जारी रहेगा, जिससे अधिक से अधिक दिव्यांगजन लाभान्वित हो सकें। कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग से विनायक सिंह ठाकुर तथा जनपद पंचायत सहसपुर लोहारा से बिजे पटेल उपस्थित रहे।

अग्निवीर भर्ती रैली में छत्तीसगढ़ के युवाओं का दमखम

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। भारतीय सेना द्वारा अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर भर्ती रैली का आयोजन 10 जनवरी 2026 से इंडोर स्टेडियम, धमतरी (छत्तीसगढ़) में किया जा रहा है, जो 24 जनवरी 2026 तक चलेगा। इस भर्ती रैली में प्रदेश के युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।आज 19 जनवरी को धमतरी एवं बेमेतरा जिलों के युवाओं ने भर्ती रैली में भाग लिया। इस दिन के लिए कुल 746 अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड जारी किए गए थे, जिनमें से 635 उम्मीदवार उपस्थित हुए। कड़ी प्रतिस्पर्धा और उत्कृष्ट शारीरिक दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए 409 युवाओं ने दौड़ परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की।अब तक छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों के

अग्निवीर जीडी ट्रेड के कुल 5,749 अभ्यर्थी भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो चुके हैं, जिनमें से 3,989 युवा दौड़ में सफल रहे हैं। दौड़ में सफल अभ्यर्थी आगे शारीरिक दक्षता परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन एवं चिकित्सकीय परीक्षण की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।सेना भर्ती कार्यालय द्वारा जानकारी दी गई है कि 20 जनवरी को छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों के अग्निवीर लिपिक, अग्निवीर तकनीकी तथा ट्रेडमेन (आठवीं पास) अभ्यर्थी भर्ती में भाग लेंगे, जबकि 21 जनवरी को ट्रेडमेन (दसवीं पास) युवाओं की भर्ती होगी।इसके साथ ही जिन अभ्यर्थियों की चिकित्सकीय जांच किसी कारणवश अब तक नहीं हो पाई है, उन्हें 21 एवं 22 जनवरी 2026 को प्रात: 5:30 बजे निर्धारित दस्तावेजों के साथ अनिवार्य रूप से चिकित्सकीय जांच हेतु उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित तिथि में जांच न कराने वाले अभ्यर्थियों को अयोग्य घोषित किया जाएगा।जिला प्रशासन धमतरी एवं सेना भर्ती कार्यालय, रायपुर के संयुक्त सहयोग से भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह सुव्यवस्थित ढंग से संचालित की जा रही है। रैली के दौरान युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

अब झोपड़ी नहीं, पक्के स्कूल में गूंजेगी क, ख, ग

जीड़पल्ली के नौनिहालों को मिला उज्जवल भविष्य का आधार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर । दशकों तक अभाव, असुरक्षा और हिंसा के साए में जीवन बिताने वाले उसूर विकासखंड के अत्यंत सुदूर अंदरूनी क्षेत्र जीड़पल्ली के नौनिहालों के चेहरों पर अब नई मुस्कान खिल उठी है। झोपड़ी में संचालित होने वाले स्कूल की जगह अब एक पक्का, सुरक्षित और सुसज्जित विद्यालय भवन खड़ा है।

जो नियद नेल्लनार अभियान के तहत विकास और विश्वास की सशक्त पहचान बनकर उभरा है।करीब 20 वर्षों से शिक्षा के अभाव का दंश झेल रहे इस क्षेत्र में प्राथमिक शिक्षा का पुन: संचालन और नवीन स्कूल भवन का निर्माण बच्चों के भविष्य निर्माण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। अब बच्चों को पढ़ाई के

लिए अस्थायी झोपड़ी नहीं, बल्कि सम्मानजनक और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण प्राप्त हुआ है, जहां उनके सपनों को नई उड़ान मिलेगी।पूजा-अर्चना के साथ हुआ नवीन विद्यालय भवन का शुभारंभबीते दिनों ग्राम सरपंच, उपसरपंच, पंच, पेरमा पुजारी, शिक्षकगण एवं ग्रामीणजनों की गरिमामयी उपस्थिति में पक्के स्कूल भवन का विधिवत पूजा-अर्चना कर शुभारंभ किया गया।

प्राथमिक शाला जीड़पल्ली, संकुल केंद्र धरमारम के नवीन शाला भवन के उद्घाटन अवसर पर संकुल प्राचार्य पामेड, संकुल समन्वयक धरमारम, शिक्षक, विद्यार्थी, ग्राम के पुजारी, पेरमा, गायता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सभी ने जिला प्रशासन की इस पहल को बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बताते हुए इसकी सराहना की।अंदरूनी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का निरंतर विस्तारजिला प्रशासन द्वारा नियद नेल्लनार अभियान के अंतर्गत अंदरूनी एवं संवेदनशील क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। जीड़पल्ली का यह विद्यालय भवन उसी प्रयास का जीवंत उदाहरण है, जहां कभी शिक्षा पहुंचना एक चुनौती था, वहां आज विकास की रोशनी पहुंच चुकी है।ग्रामीणों का कहना है कि स्कूल भवन के निर्माण से न केवल बच्चों की नियमित उपस्थिति में वृद्धि होगी, बल्कि पूरे क्षेत्र में शिक्षा के प्रति सकारात्मक और प्रेरणादायक वातावरण भी तैयार होगा।यह पहल इस बात का प्रमाण है कि सरकार और जिला प्रशासन की दृढ़ इच्छाशक्ति से सबसे दूरस्थ क्षेत्रों में भी बदलाव संभव है, और शिक्षा ही उस बदलाव की सबसे सशक्त और स्थायी नींव है।

स्ट्रीट वेंडर्स की एकजुटता से स्वच्छता का संकल्प

वाराणसी में 'स्वच्छमेव जयते' कार्यक्रम, राष्ट्रीय मुद्दों पर भी मुखर हुआ महासंघ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। काशी से देशभर तक स्ट्रीट वेंडर्स की आवाज़ एक बार फिर संगठित रूप में सामने आई। राष्ट्रीय फेरी पटरी ठेला व्यवसायी महासंघ द्वारा कमिश्नरी सभागार, कचहरी, वाराणसी में स्वच्छमेव जयते संकल्प कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वाराणसी सहित उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र समेत विभिन्न राज्यों से आए सैकड़ों स्ट्रीट वेंडर्स प्रतिनिधियों ने भाग लिया और स्वच्छता, स्वास्थ्य एवं सुरक्षित व्यवसाय को लेकर सामूहिक संकल्प लिया।

कार्यक्रम के दौरान स्ट्रीट वेंडर्स ने यह शपथ ली कि वे अपने कार्यस्थल और आसपास स्वच्छता बनाए रखेंगे, खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करेंगे, सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे और ग्राहकों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करेंगे। यह आयोजन स्वच्छ भारत मिशन को जमीनी स्तर पर मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नाथ संप्रदाय के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं तिजारा विधानसभा (राजस्थान) के विधायक महंत बालक नाथ योगी ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना ने स्ट्रीट वेंडर्स को सम्मान और आर्थिक मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि 10,000 से 50,000 रुपये तक के ऋण की सुविधा देकर स्ट्रीट वेंडर्स को व्यापारी श्रेणी में खड़ा किया गया है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। महंत बालक नाथ योगी ने यह भी कहा कि स्ट्रीट वेंडर्स के लिए क्रेडिट कार्ड सुविधा एक क्रांतिकारी कदम है। इसके माध्यम से वेंडर्स को बार-बार ऋण के लिए आवेदन नहीं करना पड़ता और वे अपनी आवश्यकता अनुसार राशि का उपयोग कर सकते हैं। डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन से लेन-देन पारदर्शी हो रहा है और वेंडर्स की आर्थिक पहचान मजबूत हो रही है। कार्यक्रम के दौरान एक सियासी संदेश भी सामने आया जिसने राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा को जन्म दिया। राष्ट्रीय फेरी पटरी ठेला व्यवसायी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक पाण्डेय ने मुंबई और महाराष्ट्र के एम.सी.बी. चुनाव में भाजपा की जीत पर बधाई दी।

खास खबर

ऑटो की टक्कर से हुई युवक की मौत

रायपुर। वेयर हाऊस देवेन्द्र नगर के पास ऑटो चालक ने रोड किनारे खड़े युवक को टक्कर मार दिया। जिससे युवक की मौत हो गई। मामले में पुलिस ने आरोपी ऑटो चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक जितेन्द्र कुदीप 30 वर्ष फोकटपारा देवेन्द्र नगर का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह वेयर हाऊस के पास सड़क किनारे खड़ा था, तभी ऑटो क्रमांक सीजी 04 एनके 5615 के चालक आरोपी ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े मृतक जितेन्द्र कुदीप को ठोकर मार दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में देवेन्द्र नगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं फरार ऑटो चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

मारपीट कर अशांति फैलाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। थाना कोनी क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने एवं संभावित विवाद-मारपीट की घटनाओं की रोकथाम हेतु थाना कोनी पुलिस द्वारा 19जनवरी 2026 को 02 व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 170, 126 एवं 135(3) बीएनएसएस के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही के तहत आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जिससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखी जा सके। गिरफ्तार आरोपियो में साहिल खान पिता साहिद ख़ान उम्र 19 वर्ष सा. देवनगर छोटी कोनी बिलासपुर और विकास बघेल पिता कार्तिक बघेल उम्र 29 वर्ष सा. देवनगर छोटी कोनी बिलासपुर हैं।

गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर। तेलीबांधा पुलिस ने काशीराम नगर में दबिश देकर गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 3 किलो 100 ग्राम गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर काशीराम नगर में दबिश देकर गांजा बेचते आरोपी राहुल बरवे 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से थैला में रखे 3 किलो 100 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

एनएच-130 में बड़ा हादसा टला, गिट्टी लोड हाईवा सड़क किनारे पलटा

कोरबा। बिलासपुर-कटघोरा-अंबिकापुर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-130 में बीती रात 11 बजे एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। जल्के से गिट्टी लोड कर तेज रफ्तार में जा रहा एक हाईवा गुरसिया क्षेत्र के पास अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे जाकर पलट गया। घटना के समय हालात इतने गंभीर हो गए कि हाईवा सीधे गोस्वामी होटल की ओर बढ़ता नजर आया, जिससे वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हाईवा चालक सामने से आ रहे ट्रैक्टर और बोलेरो वाहन को बचाने का प्रयास कर रहा था, इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों की मदद से स्थिति को संभाला गया और यातायात धीरे-धीरे सामान्य हुआ। इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

बलरामपुर बस दुर्घटना : मुख्यमंत्री ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों को 5 लाख व घायलों को 50 हजार की सहायता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बलरामपुर के समीप हुई बस दुर्घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने इस हृदयविदारक हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में छत्तीसगढ़ शासन पीड़ित परिवारों के साथ पूरी मजबूती से खड़ा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस दुर्घटना में मृत 10 व्यक्तियों के परिजनों को 5 लाख तथा घायल व्यक्तियों को 50 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया है। यह सहायता राशि प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही तत्काल राहत एवं बीमा आदि से मिलने वाली राशि के अतिरिक्त होगी।

मुख्यमंत्री साय ने प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दुर्घटना में घायल सभी व्यक्तियों के उपचार में किसी भी प्रकार की कमी न हो तथा उन्हें बेहतर से बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। साथ ही सड़क सुरक्षा के प्रति अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए हरसंभव और प्रभावी उपाय सुनिश्चित किए जाएँ।

मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

दरसल झारखंड के लातेहार जिले में छत्तीसगढ़-झारखंड बॉर्डर के पास एक भीषण सड़क हादसा सामने आया है। महुआडांड़ थाना क्षेत्र की ओरसा घाटी में बारातियों को लेकर जा रही एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि करीब 80 यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई और सड़क पर शव बिखरे पड़े रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से 87 लोग ज्ञान गंगा स्कूल की बस में सवार होकर झारखंड के महुआडांड़ थाना क्षेत्र के लोध गांव सगाई कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। ओरसा बंगलादारा घाटी में उतरते समय अचानक बस का ब्रेक फेल हो गया। तेज रफ्तार बस पीडब्ल्यूडी के रोड सेफ्टी गार्ड को तोड़ते हुए एक पेड़ से टकराई और करीब 20 फीट गहरी खाई में जा गिरी।

हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अन्य यात्रियों में से चार ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में अधिकांश महिलाएं शामिल हैं और सभी छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले के निवासी बताए जा रहे हैं।

लातेहार के पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने बताया कि दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। उपमंडल अधिकारी विपिन कुमार दुबे के अनुसार, 60 घायलों को महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जबकि 20 से अधिक घायलों का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। गंभीर रूप से घायल 32 लोगों को बेहतर इलाज के लिए रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) रेफर किया गया है।

मृतकों की पहचान रेशांति देवी (35), प्रेमा देवी (37), सीता देवी (45), सोनमती देवी (55), सुखना भुइयां (40) और विजय भुइयां के रूप में हुई है। वहीं एक महिला की पहचान अभी की जा रही है।

30 करोड़ की महाठगी का पर्दाफाश : अकलतरा पुलिस के हत्थे चढ़ा शेयर-रियल स्टेट का ठग

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। अकलतरा पुलिस ने शेयर मार्केट और रियल स्टेट में निवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले फरार आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। वर्ष 2022-23 से सक्रिय आरोपी अलग-अलग जिलों के भोले-भाले लोगों को हर माह 15 प्रतिशत मुनाफे का लालच देकर जाल में फंसाता था। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी ने बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, कोरबा एवं आसपास के क्षेत्रों में लगभग 30 करोड़ रुपये की ठगी को अंजाम दिया।

गिरफ्तार आरोपी प्रमोद कुमार वैष्णव, पिता स्व. मोचन दास वैष्णव, उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी जवाहर नगर अकलतरा है। उसके विरुद्ध थाना अकलतरा में धारा 420 भा.दं.सं. के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

मामले का खुलासा तब हुआ जब प्रार्थी महेन्द्र कुमार कश्यप, निवासी कामता थाना शिवरीनारायण ने रिपोर्ट दर्ज कराई। उसने बताया कि जून 2024 में आरोपी ने स्वयं को रियल स्टेट व शेयर मार्केट का कारोबारी बताकर हर माह 15 प्रतिशत लाभ का झांसा दिया। भरोसा दिलाने के लिए आरोपी ने इकरारनामा एवं एचडीएफसी बैंक का 10 लाख रुपये का चेक दिया। प्रार्थी ने बेटी की शादी के लिए धान बेचकर जमा की गई 10 लाख रुपये की नगदी आरोपी को सौंप दी। कुछ समय बाद आरोपी का मोबाइल बंद हो गया और वह फरार हो गया।

जांच में यह भी सामने आया कि कौशल प्रसाद कश्यप से 10 लाख तथा हीरा लाल कश्यप, निवासी चोरभट्टी से 5 लाख रुपये की ठगी की गई। आसपास पूछताछ में 10 से 15 अन्य लोगों से भी लाखों-करोड़ों की ठगी की जानकारी मिली। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने करीब 30 करोड़ रुपये की ठगी स्वीकार की।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से वेगनआर कार 8955 (कीमत लगभग 4 लाख), एक अन्य कार 5814 (8.50 लाख) एवं यामाहा मोटरसाइकिल 3379 जब्त की है। कुल जब्त संपत्ति की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी के अन्य फरार साथियों एवं अर्जित संपत्तियों की तलाश जारी है।

नवविवाहिता की फंदे पर लटकी मिली लाश, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले के हरदीबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम छुहियापारा में एक नवविवाहिता की लाश उसके ससुराल में फांसी के फंदे पर लटकते मिली। मायके पक्ष ने मामले में हत्या की आशंका जताते हुए पति सहित सास व ननंद द्वारा मृतका को प्रताडित करने और मारकर फांसी के फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार कोरबा-चांपा मार्ग में बसे उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम अमलडीहा निवासी की बेटी की शादी 3 साल पहले हरदीबाजार थाना के ग्राम छुहियापारा निवासी से हुई थी। बताया गया की उसकी सास ने मायके वालों को फोन करके उसके द्वारा घर में फांसी पर लटका होना बताया। जानकारी मिलने पर मायके वाले वहां पहुंचे। बताया जा

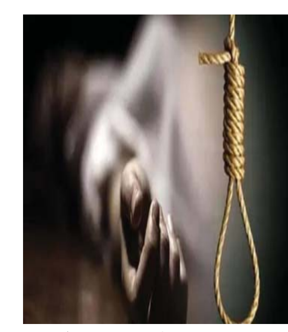

रहा हैं की घर के जिस म्यार पर फंदा बना था वह काफी ऊपर होने पर पहुंचना आसान नहीं होने पर मामला संदिग्ध नजर आया। ऐसे में उन्होंने हत्या की आशंका व्यक्त की।

हरदीबाजार पुलिस के मुताबिक मामले में मर्ग कायम कर लिया गया है। मामला नवविवाहिता से जुड़ा होने पर कार्यपालिक दंडाधिकारी की उपस्थिति में वैधानिक कार्यवाही की गई है।

जशपुर पुलिस ने ऑपरेशन शंखनाद में चार गायें बचाईं, गौ तस्कर को किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर पुलिस ने थाना आस्ता क्षेत्रांतर्गत ग्राम खोंगा में सक्रिय कार्रवाई करते हुए 4 नग गौ वंशों को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। इस कार्रवाई में एक आरोपी गौ तस्कर को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया, जबकि उसका साथी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

18 जनवरी 2026 की रात करीब 8 बजे ग्राम खोंगा के ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी कि दो संदिग्ध व्यक्ति कुछ गायों को पैदल झारखंड की ओर ले जा रहे हैं।

पुलिस टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से

एक आरोपी बनर्जी भगत (55 वर्ष, निवासी ग्राम डड़गांव) को 4 गायों के साथ पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह और उसका साथी गायों को झारखंड ले जा रहे थे। फरार साथी की पहचान कर ली गई है और उसकी खोज जारी है।

पुलिस की कार्रवाई और सबूत

पकड़े गए आरोपी पर पर्याप्त सबूत मिलने के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। बरामद 4 गायों का पशु चिकित्सक से स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी आस्ता उप निरीक्षक अर्जुन यादव, प्रधान आरक्षक कोसमोस बड़ा, आरक्षक अरुण तिग्गा, दीपक भगत, अनंत भगत और दिनेश भगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एसपी का बयान

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह ने बताया कि ऑपरेशन शंखनाद के तहत अब तक 146 प्रकरणों में 1,410 गौ वंशों को तस्करों से मुक्त कराया गया है और 243 गौ तस्करों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। आस्ता क्षेत्र में भी पुलिस सक्रिय है और किसी भी गौ तस्करी में संलिप्त व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

गैस सिलेंडर से भरे ट्रक ने बाइक सवारों को रौंदा, एक की मौत, एक गंभीर घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। जिले के लवन थाना क्षेत्र अंतर्गत डोंगरिडीह गांव में आज एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। घरेलू गैस सिलेंडरों से भरे एक ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल युवक को तत्काल कसडोल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है, जहां उसका इलाज जारी है। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

मृतक युवक की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। घटना की सूचना मिलते ही लवन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और

मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस फरार ट्रक चालक की तलाश कर रही है और आसपास के इलाकों में पूछताछ की जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मृतक या ट्रक के संबंध में कोई जानकारी हो तो लवन थाना को सूचित करें।

जुआ खेलते 5 आरोपियों को किया गिरफ्तार

राजनांदगांव। जिले की थाना छुरिया पुलिस ने जुआ के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए 5 जुआड़ियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक सुअंकिता शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक और पुलिस अनुविभागीय अधिकारी डोगरगढ़ केशरी नंदन नायक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रमेश पटेल के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। सूचना मिली थी कि ग्राम भोलापुर के शिकारीमहका जाने वाले मार्ग के किनारे खेत में कुछ लोग मोमबत्ती की रोशनी में काटपत्ती नामक जुआ खेल रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस ने रात में गश्त पेट्रोलिंग के दौरान मौके पर रेड कर जुआड़ियों को पकड़ा।

कोरबा पुलिस का सघन अभियान : 61 वारंटों की तामीली, नशे में वाहन चलाने वाले चालक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से कोरबा पुलिस द्वारा शनिवार को विशेष एवं सघन अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत लंबे समय से फरार चल रहे वारंटी आरोपियों पर कड़ा शिकंजा कसते हुए कुल 61 वारंटों की सफल तामिली की गई। वहीं, नशे में वाहन चलाने वाले 24 चालकों के खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की गई।

पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में जिलेभर के समस्त थाना एवं

चौकी क्षेत्रों में स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामिली हेतु विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत प्रत्येक थाना स्तर पर पृथक-पृथक पुलिस टीमों का गठन कर संभावित ठिकानों पर योजनाबद्ध दबिश दी गई।

अभियान का मुख्य उद्देश्य आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करना तथा सड़क सुरक्षा को लेकर सख्ती बरतना रहा।

वारंट तामिली अभियान के दौरान पुलिस टीमों ने अलग-अलग इलाकों में दबिश देकर न्यायालय से जारी गिरफ्तारी व जमानती वारंटों का निष्पादन किया। वहीं यातायात नियमों के उल्लंघन को लेकर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए चालकों के वाहन जब्त कर उनके विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। कोरबा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे। पुलिस प्रशासन ने आम नागरिकों से कानून का पालन करने, नशे में वाहन न चलाने तथा किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की है। पुलिस के इस सख्त रुख से जिले में अपराधियों में हड़कंप और आमजन में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)
दूरभाष – 0788–2210876

दुर्ग, दिनांक 14.01.2026

(ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(द्वितीय आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 29.01.2026 तक आमंत्रित की जाती है:–

निविदा आमंत्रण सू.क्र./ सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
333/183832	उपसंभाग क्रं. 02 एवं 03 दुर्ग के अंतर्गत विभिन्न समय–समय पर स्वीकृत दुर्ग धमधा बेमेतरा मार्ग लं. 39.80 कि.मी. (कि.मी. 4/2 से 7/8 का सड़क सुरक्षा एवं जुनवानी कोहका मार्ग के कि.मी. 7/2 में अवंती बाई चौक में जंक्शन इन्प्रुवमेंट (कि.मी. 7/2) सुधार कार्य हेतु जोनल एजेन्सी	62.50

टीप
1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई–प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

जी - 252606140/5

हेरोइन चिट्टा के साथ युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आमानाका पुलिस ने नया बाइपास रोड स्थित चाय दुकान से 29 ग्राम हेरोइन चिट्टा के पास दबिश देकर एक युवक को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार आमानाका पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर नया बाइपास रोड स्थित वीस सिंह चाय दुकान में दबिश देकर आरोपी सतनाम सिंह 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 29 ग्राम हेरोइन चिट्टा जब्त किया है। जिसकी कीमत करीब 90 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर कार्रवाई की है।

प्रमुख खबरें

कोरबा जिले में अब तक 2134-220 क्विंटल धान की खरीदी

कोरबा। कोरबा जिले के 65 धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों से धान की खरीदी की जा रही है। जिले में 52 हजार से अधिक किसान धान विक्रय के लिए पंजीकृत है। धान खरीदी की शुरूआत से अब तक 2134220 क्विंटल गुणवत्तायुक्त धान पंजीकृत किसानों से खरीदी की गई है। अब तक कुल 1413970 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है। संग्रहण केन्द्रों की व्यवस्था एवं समितियों में धान की स्टैकिंग कराकर स्थान बनाया गया है।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनीं समस्याएं, कार्रवाई के निर्देश

कोरबा। जिला कार्यालय में आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में कलेक्टर कुणाल दुदावत ने जिले के दूरस्थ वनांचल एवं शहरी क्षेत्रों से आए आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने प्राप्त आवेदनों पर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार एवं समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। नकिया पंचायत के पहाड़ी कोरवा ग्रामीणों द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन वितरण में लापरवाही की शिकायत प्रस्तुत की गई। कलेक्टर ने दो दिवस के भीतर सभी हितग्राहियों को खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कोरबा में प्लेसमेन्ट केंप का आयोजन कल

कोरबा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, कोरबा मेंप्लेसमेन्ट केंप का आयोजन 21 जनवरी को प्रात: 11 बजे किया जा रहा है। प्लेसमेंट के माध्यम नियोजकपरिश्रम रिसोर्स प्राईवेट लिमिटेड गुरूग्राम, हरियाणा, एवं पेरेन्नियल टेक्नोलॉजी प्राईवेट लिमिटेड बावधान, पुणेद्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। मीटर इंस्टालर - 80 पद, डी.जी.ऑपरेटर - 10 पद, डीवाटरिंग - 10 पद शामिल है। शैक्षणिक योग्यता आईटीआई डीजल मैकेनिक, आईटीआई इलेक्ट्रिशियन, आईटीआई (सभी ट्रेड) एवं नॉन आईटीआई शामिल है। आयुसीमा- 18-40 वर्ष तक एवं वेतनमान रूपये - 15,000 से 20,000 तक, नियोजक द्वारा निर्धारित किया गया है। उक्त रिक्त पद कोरबा एवं एसईसीएल बिलासपुर के लिए है। सुबह 11.00 बजे से 2.00 बजे तक उपस्थित होना अनिवार्य है।

सुचारू धान खरीदी : समय और संसाधन की बचत

शासन की प्रभावी नीतियों, प्रशासनिक सतर्कता तथा सतत निगरानी का सकारात्मक प्रभाव उपार्जन केंद्रों पर स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है।

कोरबा जिले के ग्राम सोनपुरी निवासी लघु कृषक हेमलाल पटेल ने उपार्जन केंद्र कनकी में इस वर्ष 10 क्विंटल धान का विक्रय किया। उन्होंने बताया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी धान विक्रय के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। उपार्जन केंद्र में अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा समय-समय पर आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया गया। श्री पटेल ने बताया कि टोकन प्राप्ति से लेकर धान की तौल एवं विक्रय तक की पूरी प्रक्रिया क्रमबद्ध, सरल और पारदर्शी रही। उपार्जन केंद्रों में माइक्रो एटीएम जैसी सुविधाओं की उपलब्धता से लेन-देन में भी सुविधा हुई, जिससे समय और संसाधनों की बचत हुई है। शासन द्वारा सम्मानजनक मूल्य मिलने से भविष्य को लेकर उनकी चिंताएं कम हुई हैं। समितियों के माध्यम से एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध होने से किसानों को बड़ा सहारा मिला है।

छत्तीसगढ़ में किसान अब घर बैठे काट रहे टोकन

सरगुजा जिले के अंबिकापुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत करजी के किसान उमाशंकर कुशवाहा ने बताया कि नई व्यवस्था ने धान विक्रय को सरल, तेज और सम्मानजनक बना दिया है। आठ एकड़ धान की खेती करने वाले श्री कुशवाहा इस वर्ष 150 क्विंटल धान बेच रहे हैं। किसान तुहंर टोकन ऐप के माध्यम से 24म7 घर बैठे टोकन कटने लगे हैं, समय और श्रम की बचत हो रही है। किसान अपनी सुविधा के अनुसार टोकन काटकर वे सीधे उपार्जन केन्द्र पहुंचते हैं, जिससे अव्यवस्था कम हुई है और खरीदी व्यवस्था सुगम हुई है।

देश का जायका सुधारेगी बस्तर की इमली चटनी

बस्तर में इमली की चटनी को काफी पसंद किया जाता है। यह चटनी खाने में बहुत स्वादिष्ट होती है। सुकमा जिले में स्थानीय संसाधनों के उपयोग और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वन विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है।

वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में बस्तर की प्रसिद्ध इमली से तैयार इमली चटनी को वन धन विकास केंद्र सुकमा के माध्यम से लॉन्च किया जा रहा है। यह उत्पाद स्थानीय वनोपज का मूल्य संवर्धन करने के साथ-साथ बस्तर की पारंपरिक पहचान को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने का प्रयास है।

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ द्वारा किए गए अनुसंधान और गुणवत्ता मानकों के आधार पर यह चटनी तैयार की जा रही है। वन धन विकास केंद्र से जुड़ी नवा बिहान महिला स्व सहायता समूह की महिलाएँ इस चटनी के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिलाओं को निर्माण प्रक्रिया, स्वच्छता मानक, वैज्ञानिक विधि तथा आधुनिक पैकेजिंग संबंधी विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

प्रशिक्षण के परिणामस्वरूप उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और समूह की महिलाओं में आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। बस्तर संभाग में इमली की अधिकता को देखते हुए यह पहल स्थानीय संसाधनों के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है।

इमली चटनी से वनोपज संग्राहकों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा, बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वन विभाग की यह पहल महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और आजीविका संवर्धन की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

उद्यानिकी एवं कृषि विभाग को राष्ट्रीय पुरस्कार

छत्तीसगढ़ को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य घोषित किया गया है। उद्यानिकी एवं कृषि विभाग को संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। छत्तीसगढ़ सरकार की इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री ने विभाग के अधिकारियों को बधाई दी है। यह पुरस्कार राज्य के किसानों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और राज्य सरकार की कृषि नीतियों की सफलता को दर्शाता है। यह पुरस्कार बेंगलुरु, कर्नाटक में 18-19 जनवरी 2026 को आयोजित 13वे नेशनल रिव्यू कांफ्रेंस में दिया गया। उद्यानिकी विभाग की ओर से प्रभारी संयुक्त संचालक नीरज शाहा ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए निःशुल्क चरण पादुका योजना फिर शुरू

तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों को सरकार द्वारा कई योजनाओं के माध्यम से आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा मिलती है, जिसमें संग्रहण लाभ का 80 प्रतिशत हिस्सा, बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति, स्वास्थ्य सहायता, बीमा कवर (दुर्घटना मृत्यु या विकलांगता पर), और विभिन्न वनोपज पर न्यूनतम समर्थन मूल्य शामिल हैं, जिससे उनकी आय और जीवन स्तर में सुधार होता है। छत्तीसगढ़ में 5500 सौ रुपए प्रति मानक बोरा पारिश्रमिक और राजमोहिनी देवी योजना के तहत लाभ दिए जा रहे हैं। वनवासियों और तेंदूपत्ता संग्राहकों के हित में चरणपादुका योजना को पुन: शुरू किया है। इसे पूर्ववर्ती सरकार ने बंद कर दिया था। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'गारंटी' के अनुरूप गरीब हितैषी शासन की स्पष्ट तस्वीर पेश करता है। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन विभाग ने इस योजना को तेज गति और पारदर्शिता के साथ धरातल पर लागू किया है। वर्ष 2024-25 में प्रदेश के 12.40 लाख तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों की महिला मुखिया को उच्च गुणवत्ता वाली चरणपादुकाएं प्रदान की गईं। इसपर 40 करोड़ रुपये खर्च आया था। वर्ष 2026 में पुरुष संग्राहकों को भी चरणपादुका प्रदान करने का निर्णय लिया है। इसके लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

हरित ऊर्जा के क्षेत्र में कोंडागांव बना आदर्श जिला

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी और सुव्यवस्थित क्रियान्वयन से जिले में 500 घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना का लक्ष्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। इस योजना के तहत लक्ष्य प्राप्ति में कोंडागांव जिला पूरे राज्य में अग्रणी है।

यह भी उल्लेखनीय है कि अब तक 426 सौर संयंत्रों का विद्युत ग्रिड से सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन किया जा चुका है, जबकि शेष संयंत्रों को ग्रिड से जोड़ने का कार्य निरंतर प्रगति पर है। इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में उपभोक्ता प्रत्यक्ष रूप से सौर ऊर्जा का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। यह उपलब्धि कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के मार्गदर्शन, सतत निगरानी एवं प्रशासनिक प्रयासों का परिणाम है। जिला प्रशासन ने सुनिश्चित किया कि अधिक से अधिक पात्र नागरिकों तक योजना का लाभ पहुँचे तथा सब्सिडी, तकनीकी सहायता एवं प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी एवं सुगम बनाया जाए। विद्युत विभाग की तकनीकी दक्षता एवं नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से कोंडागांव हरित ऊर्जा की दिशा में एक आदर्श जिला के रूप में स्थापित हुआ है। बिजली बिल में कमी के साथ ही कार्बन उत्सर्जन में कमी जैसे सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं।

'मिशन कनेक्ट' से चौपल तक जा पहुंचा प्रशासन; साय सरकार की जनोन्मुखी पहल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अंत्योदय और सुशासन की सोच को साकार करने के लिए सुकमा जिले में 'मिशन कनेक्ट' की शुरुआत की गई है। संभागायुक्त बस्तर डोमन सिंह के निर्देशन और कलेक्टर के मार्गदर्शन में शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को खत्म कर सरकारी सेवाओं को लोगों के घर-घर तक पहुँचाना है।

विगत दिनों मिशन कनेक्ट के तहत छिंदगढ़ विकासखंड की लगभग 60 पंचायतों में जिला स्तरीय अधिकारी पहुँचे। यह केवल निरीक्षण नहीं था, बल्कि ग्रामीणों की समस्याओं को समझकर मौके पर उनका समाधान करने की एक नई पहल थी। सुबह 10 बजे से ही अधिकारी स्कूलों, आंगनबाड़ियों, आश्रम-छात्रावासों, ग्राम पंचायतों और स्वास्थ्य केंद्रों में सक्रिय दिखाई दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मध्यान्ह भोजन और पूरक पोषण आहार की गुणवत्ता की स्वयं जांच की। स्वास्थ्य केंद्रों में दवाइयों की उपलब्धता, स्वच्छता और अन्य व्यवस्थाओं की गंभीरता से जाँच की गई। ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता की भी समीक्षा की गई, ताकि सरकारी राशि का सही उपयोग सुनिश्चित हो सके।

अधिकारियों ने ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएँ और सुझाव सुने। निरीक्षण के बाद जनपद पंचायत छिंदगढ़ में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर अमित कुमार और जिला पंचायत सीईओ ने सभी पंचायतों की रिपोर्ट का गहन विश्लेषण किया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिला स्तर की समस्याओं का समाधान तुरंत किया जाए, जबकि राज्य स्तर के विषयों को संबंधित विभागों को तत्काल भेजा जाए।

पिछड़ा वर्ग आयोग में शिकायतों की सुनवाई, क्रियान्वयन निर्देश जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में प्राप्त विभिन्न शिकायतों की सुनवाई आज आयोग के अध्यक्ष नेहरू राम निषाद एवं उपाध्यक्ष चन्द्रकान्ति वर्मा के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। सुनवाई में आयोग के सचिव संकल्प साहू एवं अनुसंधान अधिकारी अनिता डेकाटे उपस्थित रहे। सुनवाई के दौरान आयोग के समक्ष लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित पक्षों को निष्पक्ष रूप से अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया गया। अध्यक्ष श्री निषाद द्वारा शिकायत कर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए नियमों एवं अधिनियमों के अनुरूप न्यायसंगत निर्णय हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। आवेदक चन्द्रकुमार सोनकर के समेकित वेतन वृद्धि रोके जाने संबंधी प्रकरण में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ द्वारा वर्ष 2018-19 की वेतन वृद्धि प्रदान किए जाने का आश्वासन दिया गया।

तंबाकू के दुष्प्रभावों पर राज्य स्तरीय कार्यशाला

राज्य के शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू मुक्त बनाने पर दिया गया जोर, जनस्वास्थ्य से जोड़कर चलेगा अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। तंबाकू के सेवन से होने वाले गंभीर दुष्प्रभावों की रोकथाम तथा शैक्षणिक परिसरों को तंबाकू मुक्त बनाने के उद्देश्य से तंबाकू नियंत्रण एवं तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान दिशानिर्देशों पर आधारित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण एवं संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन आज सर्किट हाउस, रायपुर में किया गया।

कार्यशाला का आयोजन राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम सेल के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री संजीव झा, संचालक स्वास्थ्य सेवाएं, छत्तीसगढ़ ने तंबाकू नियंत्रण की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए इसे जनस्वास्थ्य की प्राथमिकता बताया और विभागीय सहभागिता को अत्यंत आवश्यक बताया।

कार्यशाला का परिचय डॉ. के. के. सहारे, उप संचालक द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों को तंबाकू नियंत्रण हेतु सामूहिक शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, छत्तीसगढ़ के मिशन संचालक श्री रणवीर शर्मा ने विशेष संबोधन में तंबाकू नियंत्रण को जनस्वास्थ्य से जोड़ते हुए इसके दीर्घकालिक लाभों पर जोर दिया। वहीं के संचालक डॉ. एस. एस. पामभोई ने मार्गदर्शक उद्बोधन देते हुए प्रशिक्षण की उपयोगिता रेखांकित की। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम (हृञ्जष्टक्क) की प्रगति एवं गतिविधियों की जानकारी डॉ. आनंद वर्मा, राज्य सलाहकार द्वारा दी गई। तंबाकू मुक्त ग्राम एवं दिशानिर्देशों पर विस्तृत चर्चा संजय नामदेव, तंबाकू नियंत्रण विशेषज्ञ एवं पूर्व यूनियन/वाइटल स्ट्रेटजिक एक्सपर्ट कंसल्टेंट ने की।

इसके पश्चात डॉ. राज दीवान, एसोसिएट प्रोफेसर, शासकीय दंत महाविद्यालय द्वारा जिला स्तर पर सफल क्रियान्वयन के अनुभव साझा करते हुए दिशानिर्देशों एवं कार्ययोजना पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

कार्यक्रम में ख्याति जैन, राज्य विधिक परामर्शदाता कानून की जानकारी दी। वहीं तंबाकू के हानिकारक प्रभावों एवं जिलों में संचालित तंबाकू नियंत्रण गतिविधियों पर डॉ. मुनिश भगत, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, सुपेला ने जानकारी साझा की।

करमरी में ग्रामीणों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर 'आत्मनिर्भर गांव - विकसित भारत' का दिया संदेश

आदिवासी बहुल एवं कृषि आधारित आजीविका वाले जिले मोहला मानपुर अम्बागढ़ चौकी की ग्राम पंचायत करमरी में सोमवार को वीबी जी राम जी (विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन-ग्रामीण) के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ग्रामीणों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर 'आत्मनिर्भर गांव - विकसित भारत' का संदेश दिया गया। इस दौरान योजना के प्रति उत्साह और सामुदायिक सहभागिता स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

विकास का पर्याय बन गई आजीविका डबरी

कार्यक्रम के अंतर्गत कन्वर्जेंस आधारित आजीविका डबरी जैसे कृषि, मछली तालाब निर्माण कार्यों का अवलोकन किया गया। ये कार्य कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, सीआरईडीए एवं वन विभाग के आपसी समन्वय से तैयार कार्ययोजना के अनुसार संचालित किए जा रहे हैं। इन आजीविका डबरियों से मछली पालन, सिंचाई सुविधा, दलहन-तिलहन की खेती तथा उद्यानिकी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे आदिवासी एवं सीमांत किसानों को स्थायी आजीविका, खाद्य सुरक्षा और अतिरिक्त आय के अवसर उपलब्ध होंगे।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नम्रता सिंह ने ग्रामीणों को वीबी-जीराम जी योजना के उद्देश्यों, स्थानीय रोजगार सृजन और कन्वर्जेंस मॉडल की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ग्राम स्तर पर सक्रिय सहभागिता, पारदर्शिता और सामुदायिक स्वामित्व के बिना किसी भी योजना की सफलता संभव नहीं है, वीबी-जी राम जी इन मूल सिद्धांतों पर आधारित है।

कार्यक्रम के दौरान हितग्राही विनोद कुमार एवं दलपत साई मेहरू राम को मछली जाल का वितरण किया गया। इससे मछली पालन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा और ग्रामीणों में स्वरोजगार के प्रति उत्साह बढ़ेगा। हितग्राहियों ने बताया कि योजना से प्राप्त सहयोग के माध्यम से वे मछली पालन के साथ-साथ दलहन-तिलहन की खेती भी करेंगे, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि होगी और परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी।

ग्रामीणों ने वीबी-जीराम जी योजना को आदिवासी बहुल, कृषि-आधारित जिले के लिए सर्वांगीण विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया। गांव आत्मनिर्भर होंगे, तभी भारत विकसित बनेगा के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में जिल पंचायत सीईओ भारती चंद्राकर, जनप्रतिनिधि दिलीप वर्मा, पंचायत प्रतिनिधिगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950